भाद्रपद कृष्ण पक्ष-3, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 136 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
31 अक्टूबर 2023 मंगलवार

आज का मौसम

32 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अब्दुल्ला बोले-इंडिया अलायंस में असहमतियां दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले मप्र में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सियासी बयानबाजी ने इंडिया गठबंधन के अन्य दलों को चिंता में डाल दिया है। इसी के चलते जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने इस घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। एक समाचार एजेंसी से बात में अब्दुल्ला ने कहा कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी दलों के गठबंधन की स्थिति अभी मजबूत नहीं है। कुछ अंदरूनी झगड़े हैं, जो देखने को मिल रहे हैं। यह झगड़े नहीं होने चाहिए, खासकर 4 से 5 राज्यों में जहां चुनाव होने जा रहे हैं।'

फोन-मेल हैक करने की कोशिश में सरकार, सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली । कैश फॉर क्वेरी केस में घिरीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मोदी सरकार पर अब गंभीर आरोप लगाया है व दावा किया है कि सरकार उनके फोन और ईमेल को हैक करने की कोशिश कर रही है। महुआ ने कहा, एपल से मुझे अलर्ट और ईमेल मिला कि सरकार मेरे फोन और ईमेल को हैक करने की कोशिश में है। महुआ के अलावा कांग्रेस सांसद शशि थरूर, पवन खेड़ा और शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी अपने फोन में आए इस तरह के अलर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। महुआ ने गृह मंत्रालय को टैग करते हुए आगे लिखा, अडानी और पीएमओ के लोग, जो मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं, आपके डर से मुझे आप पर दया आ रही है. उन्होंने कहा, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, मुझे और इंडिया गठबंधन के तीन अन्य नेताओं को अब तक ऐसे अलर्ट मिले हैं।

जेल में बंद चंद्रबाबू नायडू को मिली जमानत

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कौशल विकास मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी। उच्च न्यायालय के वकील सुनकारा कृष्णमूर्ति ने यह जानकारी दी। हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू को 24 नवंबर तक के लिए जमानत दी गई है। उन्हें 24 नवंबर को सरेंडर करने के लिए कहा गया है।

आज का कार्टून

साभार: माधव जोशी

नाम वापसी के पहले दोनों तरफ से बागियों को साधने की पुरजोर कोशिश...

भाजपा ने प्लान बी पर शुरू किया काम कांग्रेस बड़े चेहरों के जरिए साधेगी मिशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विस चुनाव में मतदान के पहले भाजपा और कांग्रेस ने अपने घर दुरुस्त करने का अभियान काफी हद तक पूरा कर लिया है। भाजपा में अंदरखाने सहमति बन गई है कि जो बागी मान नहीं रहे हैं,उन्हें छोडकर आगे की रणनीति पर काम किया जाए। जानकारों का कहना है कि भाजपा बगावत व नाराजगी के चलते करीब तीस सीटों पर अभी भी असहज महसूस कर रही है। नामवापसी के पहले अंतिम दो दिन में भाजपा ने आखिरी प्रयास चला रखे हैं। इस काम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से लेकर वीडी शर्मा, भूपेंद्र यादव, नरेंद्र सिंह तोमर आदि को जुटाया गया है लेकिन हालात नहीं संभलने पर भाजपा ने प्लान बी के तहत छोटे दलो से उम्मीद बांधी है। सूत्र बताते हैं कि अमित शाह ने मप्र भाजपा को साफ कहा है कि इन सभी प्रयासों के बीच चुनाव प्रचार पूरे प्रदेश में किसी भी सूरत में कमजोर नहीं पड़ना चाहिये। सीएम शिवराज सिंह आज नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन व इंदौर में जनसंपर्क व सभा कर रहे हैं। उधर कांग्रेस ने बड़े नेताओं की रैली व सभा कराने का सिलसिला तेज करके भाजपा को जवाब देने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। कांग्रेस प्रचार अभियान में भाजपा के मुकाबले पिछडी नजर आ रही है। अब आठ नवंबर को प्रियंका गांधी की सांवेर और खातेगांव में सभा तय की गई है, जबकि मल्लिकार्जुन खड़गे नौ नवंबर को रीवा में सभा करेंगे,इससे पहले वे चार नवंबर को कटंगी व शहपुरा में सभा करने भी आ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की भी दो सभा का कार्यक्रम तैयार हो रहा है। वे नवंबर के दूसरे सप्ताह में दौरे व रोड शो करेंगे। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के दौरे भी तय किये जा रहे हैं।

जय -वीरू को दिल्ली क्यों बुलाया : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच कथि मनमुटाव की खबरों को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह जय-वीरू की जोड़ी लूट के माल के लिए लड़ रही है। उल्लेखनीय है कि टिकट वितरण पर असंतोष को लेकर दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच मनमुटाव की अटकलें चल पड़ी थीं तो रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि दोनों शोले के जय-वीरू हैं। आज इस पर पलटवार करते हुए शिवराज ने कहा कि जय और वीरू की जोड़ी को दिल्ली बुलाया गया। अब वो कहते हैं कि भाजपा भ्रम फैला रही है तो पार्टी इन्हें दिल्ली क्यों बुला रही है! झगड़ा केवल लूट के हिस्से का है। दिल्ली भी पता नहीं, इनसे किन मुद्दों पर चर्चा कर रही है। क्या दिल्ली भी इसमें शामिल है?

मप्र कांग्रेस पर आधी रात ढाई घंटे चला *दिल्ली मंथन*

आशीष दुबे, दोपहर मेट्रो

मप्र में कांग्रेस के प्रचार अभियान, नेताओं में समन्वय, प्रत्याशियों की स्थिति और बगावत के मामलों पर दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे के बंगले पर देर रात करीब ढाई घंटे तक एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। जानकार सूत्रों का कहना है कि बैठक के लिये कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को खास तौर पर बुलाया गया था, मप्र के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला भी इनके साथ मौजूद थे, इस बैठक के लिये राहुल गांधी भी खड़गे के घर पहुंचे थे। बैठक और इसकी 'विषयवस्तु' इतनी गोपनीय रखी गई कि नाथ,सिंह व सुरजेवाला एक साथ एक ही गाडी में रात लगभग नौ बजे पहुंचे और साढे ग्यारह बजे साथ निकले। माना जा रहा है कि इस बैठक में कांग्रेस हाइकमान ने सभी नेताओं को अधिकाधिक तालमेल के साथ काम की हिदायत दी है और यह भी कहा है कि उम्मीदवारों व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं तक संवाद को मजबूत बनाएं और किसी भी किस्म की दरार नजर आने पर उसे पाटने की कोशिश की जाए। बैठक में कांग्रेस के प्रचार व प्रसार के मुद्दे पर भी बात हुई है लेकिन इस पर मप्र में बैठकर नेता रणनीति बनायेंगे व हाइकमान को भेजेंगे।

खास बात यह रही कि आज सुबह दोनों नेताओं के साथ चुनाव प्रभारी जितेंद्र सिंह भी आए, जबकि यह भी खबर है कि दिग्विजय अलग लौटे। यहां आने के बाद कमलनाथ के निवास पर फिर तीनों की एक बैठक हुई,जिसे दिल्ली की देर रात वाली बैठक का फॉलोअप कहा जा रहा है।

लगातार मिल रही जान लेने की धमकी

अंबानी को तीसरा मेल.. पहले 20 अब 400 करोड़ की मांग

मुबंई , एजेंसी।

एशिया के सबसे अमीर कारोबारी व देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी को हफ्तेभर में ही तीसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार धमकी देने वाले ने अंबानी से 400 करोड़ रुपये की रकम मांगी है। पहली बार उसने 20 करोड़ की मांग की थी। उसने यह भी कहा है कि आप कितने भी सुरक्षाकवच में रहें लेकिन हमारा स्नाइपर ही काफी है।

बताया जाता है कि अंबनी को अब जो मेल आया उसमें भी धमकी देते हुए चार सौ करोड़ की मांग की गई है। इससे पहले लगातार दो बार रिलायंस चेयरमैन को इसी तरह की धमकी मिली थी, हालांकि, तब कम रकम मांगी गई थी। पुलिस इस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है ,इसका एक सिरे बेल्जियम से जुड़ रहा है। पहले मेल के जरिए फिरौती 27 अक्टूबर को मांगी गई थी और डिमांड 20 करोड़ रुपये की गई थी, जबकि दूसरी बार फिरौती के लिए मेल 28 अक्टूबर को आया था, जिसमें फिरौती की रकम को बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये कर दिया गया था। अब तक की तफ्तीश में पता चला है कि जिस मेल आईडी के जरिए मुकेश अंबानी को धमकी दी जा रही है, वह किसी शादाब खान नाम के व्यक्ति की है और यह मेल बेल्जियम से आए हैं। पुलिस जांच कर रही है कि क्या यह व्यक्ति का सही आईडी है या फेक आईडी से यह मेल भेजे गए हैं। इसके साथ ही पुलिस बेल्जियम की मेल प्रोवाइडर कंपनी से भी संपर्क कर रही है। हमारा एक स्नाइपर ही काफी- अंबानी को भेजे तीसरे मेल में न केवल फिरौती की रकम कई गुना बढ़ाई गई है, बल्कि मेल में धमकी का अंदाज भी सख्त है। इसमें लिखा गया है कि तुमने हमारी बात नही मानी अब रकम 400 करो? हो गयी, तुम्हारी सुरक्षा कितनी भी कड़ी क्यों ना हो हमारा एक स्नाइपर काफी है।

आईएएस को दंपति ने लिफ्ट में पीटा

नोएडा एजेंसी। एक बार फिर पॉश सोसायटी की लिफ्ट के अंदर कुत्ते को ले जाने को लेकर नया विवाद सामने आया है। इस बार रिटायर्ड आईएएस और एक दंपति के बीच मारपीट हो गई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। घटना सेक्टर-108 स्थित पार्क्स लॉरिएट सोसायटी की है। हालांकि, इस घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया। दरअसल महिला अपने साथ कुत्ते को लिफ्ट में ले जाना चाह रही थी, लेकिन रिटायर्ट आईएएस आरपी गुप्ता इसका विरोध कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। बहस के दौरान आईएएस ने जैसे ही अपना मोबाइल निकाला, महिला ने उनसे फोन छीन लिया। जिसके बाद विवाद और बढ़ गया और रिटायर्ड आईएएस ने महिला को थप्पड़ मार दिया।

इजराइल ने बंधक महिला सैनिक को छुड़ाया

ग्राउंड ऑपरेशन तेज, हमास के 6सौ ठिकाने तबाह किए

तेलअवीब , एजेंसी।

गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल का ग्राउंड एक्शन तेज होता जा रहा है। खबरों के मुताबिक, इजरायली सेना तीन तरफ से गाजा में घुस रही है। जो तस्वीरें, वीडियो और सैटेलाइट इमेज सामने आ रही हैं, उनमें इजरायली बख्तरबंद वाहन उत्तरी और दक्षिणी गाजा में बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। उधर, वेस्ट बैंक में भी इजरायली सेना ने हमास के ठिकाने तबाह किए हैं. इजरायल ने गाजा में हवाई हमले भी जारी रखे हैं, ऐसे में उसके टैंक और बख्तरबंद वाहन आसानी से गाजा में घुसते जा रहे हैं। गाजा में इजरायल ने ग्राउंड ऑपरेशन में हमास के 600 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। ग्राउंड ऑपरेशन के चलते गाजा में नागरिक ईंधन, भोजन और पानी का संकट गहराने लगा है। इजरायली एयरस्ट्राइक में हमास के चार कमांडर भी ढेर हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, गाजा पट्टी पर लगातार हमलों में अब तक 8306 लोगों की मौत हुई है। इनमें 3457 बच्चे, 2,136 महिलाएं शामिल हैं। जबकि 21,048 घायल हुए हैं। सुरक्षाबलों ने हमास द्वारा 7 अक्टूबर को बंधक बनाई गई महिला सैनिक को भी आजाद करा लिया है।

मेट्रो एंकर

पीएम बनने की क्षमता पर इशारा कर रही गडकरी पर बनी बायोपिक चर्चा में...

चुनावों से पहले *क्यों* आई द 'हाइवे मिनिस्टर'?

मुबंई, एजेंसी।

भाजपा के मुखर नेता व केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी को हमेशा से बेहद संभावनाओं वाला नेता माना जाता रहा है। अब उनके काम पर आई एक फिल्म की राजनीतिक गलियारों में जमकर चर्चा है। इसके कई मायने भी निकाले जा रहे हैं। नवोदित निर्देशक अनुराग रंजन भुसारी की मराठी बायोपिक फिल्म 'गडकरी' दरअसल ऐसे समय में आई है जब माना जा रहा है कि मोदी सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री अपनी जगह खो रहे हैं । खास बात यह है कि गडकरी ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जीत दिलाने में मदद की और वह प्रधानमंत्री बनने की ओर अग्रसर थे, लेकिन भ्रष्टाचार और अंदरूनी कलह के आरोपों ने शायद उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया,यह गडकरी के जीवन पर बनी बायोपिक में बताया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीनी जैसी चाशनी से भरी ये बायोपिक ऐसे समय आई है जब गडकरी की जगह कथित तौर पर भाजपा और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के भीतर 'वजन कम' हो रहा है। फिल्म इस पर प्रकाश डालती है कि कैसे गडकरी, जिन्हें अक्सर ÷फ्लाईओवर मिनिस्टर÷ और 'हाईवे मैन' कहा जाता है। जिन्होने 1990 के दशक में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे परियोजना को 'बिल्ड, ऑपरेट, ट्रांसफर' के आधार पर लागू करके भारत में सार्वजनिक परिवहन बुनियादी ढांचे के निर्माण में क्रांति ला दी थी।

बायोपिक में एक जगह 2012 के दृश्य में दो युवाओं को एक कप चाय के साथ एक दूसरे के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है. एक ने दूसरे से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि गडकरी अगले प्रधानमंत्री होंगे। दूसरा आदमी जवाब देता है कि ऐसा लगता है, लेकिन हमें देखना होगा कि क्या होता है। मगर तुरंत बाद नागपुर स्थित नेता के खिलाफ उनसे जुड़ी कंपनियों के संबंध में भ्रष्टाचार के आरोप पर राहुल चोपड़ा द्वारा अभिनीत गडकरी एक पत्रकार को यह स्पष्ट करते हुए दिखाई देते हैं कि इनमें से कोई भी कंपनी किसी भी गलत काम में शामिल नहीं थी।

उल्लेखनीय है कि केंद्र की मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कैबिनेट फेरबदल में गडकरी से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विभाग छीना गया तथा पिछले साल गडकरी को संसदीय बोर्ड से हटाया गया है। इस साल अगस्त में कैग रिपोर्ट में निर्माण की उच्च लागत को चिह्नित किया, जिससे सरकार में गडकरी की स्थिति पर और सवाल खड़े हुए। हालांकि उनके मंत्रालय ने रिपोर्ट को 'गलत' बताते हुए चुनौती दी थी।

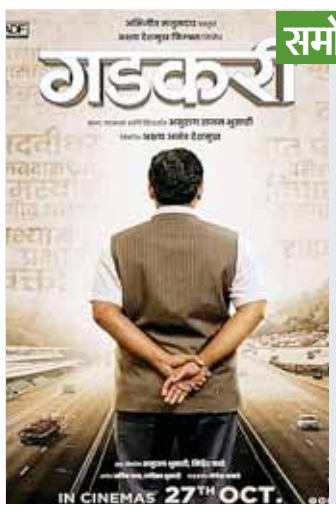

समोसा प्रेम भी फिल्म में शामिल !

यह बायोपिक खाने के प्रति उनके प्यार को भी दिखा रही है जिसमें यह बताया गया है कि समोसा उन्हें कितना पसंद है। पिछले हफ्ते पीटीआई से चर्चा में निर्देशक भुसारी ने कहा था कि कैरेक्टर को कोई सुपरमैन ट्रीटमेंट नहीं दिया गया है। मैंने वह सब कुछ कवर किया है जो उनके जीवन का हिस्सा था। फिल्म में लोकसभा चुनाव से पहले जब वह अपने परिवार के साथ छुट्टियों पर गए हुए हैं तो एक पत्रकार से कहते हुए नजर आ रहे हैं, 'चुनाव तो मैं जीत ही जाऊंगा' यह 2014 या 2019 किस चुनाव के बारे में कहा गया है यह साफ नहीं है।

अब भारत के रवैये से नाराज हुआ इजराइल

नई दिल्ली। हमास से युध्द लड़ रहा इजराइल हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव में भारत के रुख से नाराज हो गया है। प्रस्ताव में इजरायल और हमास के बीच शत्रुता को समाप्त कर तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया गया था। भारत ने इस प्रस्ताव से दूरी बना ली थी जिसके बाद अब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के रुख पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि कोई भी सभ्य देश जिसमें भारत भी शामिल है, इस तरह की बर्बरता को बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में लाए गए प्रस्ताव को गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण बताया है। भारत जैसे मित्र देशों के रुख की आलोचना करते हुए नेतन्याहू ने कहा, मुझे लगता है कि उस प्रस्ताव में बहुत ज्यादा खामियां थीं, और मुझे यह देखकर दुख हुआ कि हमारे कई मित्र भी इस बात पर जोर नहीं दे रहे हैं कि इजरायल में जो कुछ भी हुआ, उसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए।

नेशनल यूनिटी रन

भोपाल। राष्ट्रीय दिवस पर एनसीसी की ओर से नेशनल यूनिटी रन का आयोजन किया गया। दौड़ सुबह 6.45 राजा भोज सेतु से प्रारंभ होकर सुबह आठ बजे शौर्य स्मारक पर समाप्त हुई। इसमें शहर के नागरिक, एनसीसी कैडेट्स तथा अधिकारी भाग लिया।

भोपाल जिले में अंतिम दिन 121 दावेदारों ने जमा किए नामांकन पत्र

नामांकन पत्रों की जांच कल, 2 नवंबर गुरुवार तक नाम वापस ले सकेंगे दावेदार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत भोपाल जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिये नामांकन प्राप्ति के अंतिम सोमवार 30 अक्टूबर को करीब 121 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। इस तरह जिले में कुल 175 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं।

अंतिम दिन सोमवार को बैरसिया के लिये 17 नामांकन पत्र, भोपाल उत्तर के लिये 22 नामांकन पत्र, नरेला के लिये 14 नामांकन पत्र, भोपाल दक्षिण-पश्चिम के लिये 16 नामांकन पत्र, भोपाल मध्य के लिये 21 नामांकन पत्र, गोविंदपुरा विधानसभा के लिये 19 नामांकन पत्र एवं हुजूर विधानसभा के लिये 12 नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत नामांकन पत्रों की संविक्षा 31 अक्टूबर मंगलवार को होगी और इच्छुक प्रत्याशी 2 नवंबर गुरुवार तक नाम वापस ले सकेंगे। अधिसूचना के अनुसार आवश्यक हुआ तो 17 नवम्बर को विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान होगा।

इतिहास को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है: पुनियानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. राम पुनियानी ने कहा है कि इतिहास को देखने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत होती है। सांप्रदायिक नजरिए से अतीत में हुई घटनाओं को देखना घातक होता है। वे पत्रकार,कवि और लेखक डॉ. राकेश पाठक की पुस्तक 'सिंधिया और 1857' के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। गत रविवार 29 अक्टूबर को भोपाल में आयोजित गरिमामय विमोचन समारोह की अध्यक्षता मूर्धन्य संपादक विजयदत्त श्रीधर (पद्मश्री से विभूषित) ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आनंदवर्धन सिंह (प्रधान संपादक, द पब्लिक इंडिया न्यूज चैनल), अशोक कुमार पांडे (प्रसिद्ध इतिहासविद), शीबा असलम फहमी (प्रतिष्ठित पत्रकार) और सरदार दया सिंह (अध्यक्ष आल इंडिया पीस मिशन) ने भी समारोह को संबोधित किया। प्रारंभ में डॉ पाठक ने स्वागत भाषण किया और लेखकीय वक्तव्य दिया। संचालन प्रसिद्ध शायर अतुल अजनबी ने किया। यह पुस्तक 'सेतु प्रकाशन समूह' से प्रकाशित हुई है। यह डॉ. पाठक की चौथी पुस्तक है।इससे पूर्व डॉ. पाठक की तीन पुस्तकें 'काली चिड़ियों के देश में' (यूरोप का यात्रा वृतांत), 'बसंत के पहले दिन से पहले' (कविता संग्रह) और 'मप्र की स्वातंत्रोत्तर हिंदी पत्रकारिता का इतिहास' (शोध पुस्तक)प्रकाशित हो चुकी हैं।

छात्रों के लगातार विरोध प्रदर्शन के बाद बीयू प्रबंधन ने दिया भरोसा

पूरक परीक्षा समय पर नहीं कराता बीयू प्रबंधन बर्बाद हो जाता है साल, अब ऐसा नहीं चलेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीयू प्रबंधन समय पर पूरक परीक्षाएं नहीं कराता, जिसकी वजह से अगली कक्षाओं में प्रवेश नहीं मिलता और इस तरह साल बर्बाद हो जाता है। इस तरह की अनदेखी बीते कई वर्षों से हो रही है इस पर छात्रों ने तीखा विरोध दर्ज कराया, जिसके बाद बीयू प्रबंधन बैकफुट पर आ गया है। प्रबंधन ने छात्रों को भरोसा दिया है कि समय पर पूरक परीक्षाएं कराई जाएंगी, उनका रिजल्ट भी समय पर ही जारी किया जाएगा।

असल में हाल ही में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एनएसयूआई के छात्रों पैदल मार्च निकाल कर कुलपति का घेराव किया था और मांगों के संदर्भ में विश्वविद्यालय से लिखित आश्वासन लेकर रजिस्ट्रार से आदेश जारी करवाया था। छात्रों का आरोप था कि फार्मेसी विभाग मे पूरक की परीक्षाएं समय पर न आयोजित होने की वजह से वह परेशान हो जाते हैं।

वर्ष बर्बाद होता है। भविष्य के साथ खिलवाड़ होता है। फार्मेसी विभाग के अधिकांश छात्र मेधावी योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय मे पढ़ाई कर रहे हैं । इस साल मेधावी के पैसे शासन द्वारा न आने की वजह से फीस की वसूली छात्र छात्राओं से ही की जा रही है जो की निम्न वर्ग के छात्र जमा नहीं कर सकते।

एमसीयू में अमेरिकी यूनिवर्सिटी ने स्थापित किया मौसम स्टेशन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अमेरिकी यूनिवर्सिटी ने मौसम स्टेशन स्थापित किया है। यह स्टेशन माखनपुरम परिसर में सोमवार को अमेरिकी विश्वविद्यालय बीसीसी, सिटी युनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क यूएस काउंसलेट जनरल मुंबई के सहयोग से स्थापित किया गया। विश्वविद्यालय में इस अवसर पर शिक्षकों के लिए वैदर मोनिटरिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया। जिसमें कुलपति प्रो.डा.केजी सुरेश ने इस स्थापना को ऐतिहासिक दिन बताया। शिक्षकों से कहा कि मौसम स्टेशन का लाभ उठाएं एवं छात्रों को भी शोध के लिए प्रेरित करें। विश्वविद्यालय का काम सिर्फ अध्ययन, अध्यापन ही नहीं है, बल्कि शोध करना भी है। मौसम स्टेशन के डेटा को आप वैश्विक स्तर पर भी उपयोग कर सकते हैं। समाज को जागरुक करने की बात करते हुए उन्होंने मौसम स्टेशन को किसानों के लिए बहुत ज्यादा मददगार बताया । जलवायु निगरानी से प्राप्त सूचनाओं को विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो, रेडियो कर्मवीर के माध्यम से भोपाल की जनता तक भी पहुंचाया जाएगा।

हुजूर पर डागा हुए बागी, भरा परचा, नरेश से हुआ सामना लगे एक दूसरे के गले

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर विधानसभा सीट का मुकाबला फिलहाल त्रिकोणी होता नजर आ रहा है, कांग्रेस से टिकट न मिलने पर आजाद उम्मीदवार के रूप में पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा ने परचा दाखिल कर दिया है। सोमवार को नामांकन भरने पहुंचे डागा की मुलाकात कांग्रेस प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी से हुई। दोनों एक-दूसरे के गले मिले, लेकिन मैदान में डटे रहने का डागा पहले ही कह चुके हैं।

कांग्रेस ने हुजूर पर सिंधी नेता का टिकट देने का वादा पूरा करते हुए। बीते चुनाव में हारे नरेश ज्ञानचंदानी को फिर टिकट दे दिया है। बीते चुनाव में डागा भाजपा छोड़कर कांग्रेस में उम्मीद थी। विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस से टिकट मिलने की उम्मीद लगाए थे, लंबे समय मैदान तैयारी कर रहे थे। टिकट न मिलने पर डागा ने बागी होकर फार्म भर दिया है। सोमवार को जब डागा परचा भरने पहुंचे तो बी फार्म जमा करने आए ज्ञानचंदानी से उनका सामना हुआ। सौजन्यवश दोनों ने नेता आपस में गले लगे।

बागी तेवर के बाद अभी तक डागा को चुनाव मैदान से हटाने लिए कांग्रेस किसी नेता के संपर्क न करने की खबर है। चर्चा है, नाम वापसी तक कोशिश हो सकती है।

कथाकार शिवानी स्मृति में कथा प्रसंग कार्यशाला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

प्रसिद्ध कथाकार शिवानी की जन्मशती पर म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन एवं स्वंयसिद्धा डॉट कॉम द्वारा एक दिवसीय शिवानी स्मृति कथा प्रसंग एवं कार्यशाला में संत कॉलेज की दो प्रोफेसर ने भाग लिया। जिनमें विभा खरे, एवं दीपिका सक्सेना थीं। कार्यशाला में प्रसिद्ध कथाकार डॉ. रेखा कस्तवार एवं डॉ. निर्मला भुराडिया ने शिवानी जी कृतिव और कहानी लेखन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालकर रचनापाठ भी किया। इस कार्यशाला में कथा व कहानी का शास्त्र, कहानी मन की बात और कहानी लेखन व विश्लेषण विषय पर प्रभावी सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यशाला में देशके विभिन्न स्थानों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला में प्रतिभागिता लेखन एवं सृजनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मैनिट

25 को आयोजित होगा 19-20वां दीक्षांत समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) द्वारा 25 नवंबर को 19वां और 20वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें वर्ष 2022 और 2023 बैच के पासआउट तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। दीक्षा समारोह में दोनों बैच को मिलाकर यूजी में 64 विद्यार्थियों को स्वर्ण व रजत पदक से सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान दोनों बैच के 3159 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। मैनिट प्रबंधन ने बताया कि यह कार्यक्रम 25 नवंबर को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चलेगा।

मेट्रो एंकर

सिंधी पंचायत की कार्यकारिणी व सलाहकार मण्डल का गठन

पगड़ी रस्म और शोक बैठक का समय बदला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों की बैठक पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें समाज से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। पंचायत कार्यकारिणी व सलाहाकार मण्डल का गठन किया गया व पगडी रस्म व शोक बैठक का सर्दी में समय परिवर्तन किया गया। पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने बताया कि एक नवम्बर से पगडी रस्म का समय शाम 05.00 बजे से 05.30 बजे तक रहेगा। शोक बैठक का समय रात्रि 07.30 बजे से 08.00 बजे तक रहेगा। पहले बैठक का समय एक घण्टा रहता था। लोगों की मांग पर पर अब बैठक का समय आधा घण्टा रहेगा। इसके अलावा पंचायत के 11 सदस्य सलाहाकार मण्डल, 75 सदस्य कार्यकारिणी व विधि सलाहाकारों की कमेटी गठित की गयी जो इस प्रकार है।

सलाहाकार मण्डल

दिलीप मंगतानी, महेश दादलानी, रवि नाथानी, नरेश कीर्तानी, रमेश हिमथानी, सतीश बतरा, कमलेश रायचंदानी, नारायणदास तोलानी, किशोर आहूजा, दयाल सतानी, राकेश शेवानी शामिल है।

विधि सलाहाकार

रमेश टेकवानी, धर्मप्रकाश समतानी, वासदेव वासवानी, कमल वतानी, कन्हैयालाल नाथानी, चन्द्रभान रीझवानी, अर्जुन उधवानी, मनीश पारवानी, मोहनलाल लच्छवानी शामिल है।

75 सदस्य कार्यकारिणी

डा. धर्मेन्द्र बूलचंदानी, पार्षद राजेश हिंगोरानी, अर्जुन मेघानी, प्रतापराय तेजवानी, नारायणदास आर लालवानी, जवाहर मूलचंदानी, मुरलीधर ज्ञानचंदानी, रमेश जनयानी, वीरभान आडवानी, भगवान चंदनानी, ओमप्रकाश दरियानी, टी.के. ज्ञानचंदानी, नरेश पारदासानी, कैलाश आसूदानी (शिखर), मनोहर संभानी, प्रभुदास मूलचंदानी, हरीश बिनवानी, मोहन मनवानी, सतीश टहलयानी, राजेश बेलानी, डॉ लाल किशनानी, डा हरिकिशन पेसवानी, कमल मनसुखानी, परषोत्तम हरचंदानी, किशोर तेजवानी, राम श्रीचंदानी, संतोष जेठानी, कैलाश आसूदानी, हरीश केवलानी, अनिल आसवानी, ज्योति छबलानी, कमलेश छुगानी, दिलीप थावानी, मनोहर कृपलानी, मोहन लालवानी, सुनील आसवानी, महेश प्रेमचंदानी, अनिल टेकचंदानी, राजकुमार खूबचंदानी, किशोर साधवानी, राजन धनवानी, नरेश वासवानी, तुलसी जोतवानी, जगदीश खानचंदानी, परमानंद चांदवानी, दयालदास चंगलानी, हरीश दयारामानी, सुरेश अजवानी, नारायण तनवानी, लालचंद मेहरचंदानी, अर्जुन प्रियानी, मुरली गुरबानी, मनोहर सतानी, हरीश वलेचा, सुरेश वासवानी, दयाल दोलतानी, रामचंद नाथानी, रमेश पेसवानी, रमेश होतवानी, मनीष बागवानी, कन्हैया नागदेव, हरीश वीधानी, राजेश पेसवानी, सुरेश पंजवानी, नानक लेखवानी, रमेश रीझवानी, महेश गुरबानी, नरेन्द्र केवलानी, विकास गिदवानी, हरीश साधवानी टेन्ट, हीरो आडवानी, प्रकाश वीधानी, हरीश मोटवानी, प्रेम पठानी, बबलू टेकचंदानी, जीतेश दीनानी, सुनील पारवानी, जीतेश खानचंदानी, राजकुमार थावानी, कमलेश देवानी, भरत ज्ञानचंदानी आदि शामिल है।

विस चुनाव में दोनों बड़े दलों ने ताकत झोंकनी शुरु की

असंतोष के सुरों को कैंपेन से दबाने की कोशिशें और तेज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह अपने ग्राम जैत में लोगों के बीच पहुंचे।

कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इंदौर में किया चुनाव प्रचार।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टिकट वितरण से उपजे असंतोष को थामने में जुटी भाजपा व कांग्रेस अपने प्रचार अभियान को भी गति देने में जुटी हैं। भाजपा तो इसमें पहले ही बाजी मार चुकी है लेकिन अब कांग्रेस ने भी सभा व रोड शो तेज कर दिये हैं। कमलनाथ ने इंदौर में सभा व रोड शो किया । पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की दो सभा आगामी दिनों में तय हो गई हैं तो राहुल गांधी भी जल्द मप्र के दौरे पर पहुंच रहे हैं। उधर, तीन दिन रुकने के बाद भाजपा के चुनाव सूत्रधार अमित शाह कल रात लौट गये लेकिन वे अपने काडर को संदेश दे गये हैं कि जो रूठे भाजपा नेता मान नहीं रहे हैं, उन पर ज्यादा वक्त खर्च न किया जाए बल्कि इसकी भरपाई सपा व बसपा को परोक्ष मदद देकर की जाए क्योंकि यह दोनों दल कांग्रस के वोट काट सकते हैं।

भोपाल मध्य में हितानंद ने लगाया जोर

यह बात भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भोपाल मध्य विधानसभा के मुख्य चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया व कहा कि भाजपा जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करती है। राम मंदिर निर्माण, कश्मीर से धारा 370 हटाने और मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक का कानून बनाने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी है। विकास, सुशासन, गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने कार्य किया है।

मैं अब वोट डालने ही आऊंगा- शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गृह ग्राम जैत में हनुमान मंदिर, कुल देवी-देवता,नर्मदा मैया और सलकनपुर में माता विजयासन की पूजा-अर्चना कर बुधनी विधानसभा से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान हजारों की संख्या में बहनें, बेटा-बेटी, बुजुर्ग और समर्थक मुख्यमंत्री चौहान के साथ नामांकन रैली में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बुधनी में रोड शो, सिवनी मालवा में भाजपा प्रत्याशी प्रेमशंकर वर्मा और सोहागपुर में प्रत्याशी विजय पाल सिंह के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। चौहान ने कहा कि, मैं अपनी जन्मभूमि, कर्मभूमि, मातृभूमि, पुण्यभूमि और वो माटी जिसके आशीर्वाद से प्रदेश की जनता की सेवा कर इतना काम कर पाया हूं। उन्होंने कहा कि मैनें अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और इसके बाद यहाँ का चुनाव यहाँ की जनता लड़ेगी, यहाँ का हर नागरिक शिवराज है मैं तो केवल वोट डालने आऊँगा।

अभिनेता मनोज तिवारी भी मैदान में

भाजपा ने अपने सांसद व गायक अभिनेता मनोज तिवारी का सतना में उपयोग किया। उन्होंने भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल कराए व सभा में कांग्रेस पर बरसे भी। तिवारी ने कहा कि कांग्रेस झूठ के सहारे चुनाव मैदान में है। इन्डी एलाइन्स में शामिल लोग सनातन धर्म के खिलाफ हैं और उसे खत्म करने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में तैयार हो रहा प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर इसका प्रमाण है। सभा को प्रदेश सरकार के मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला एवं सांसद तथा विधानसभा प्रत्याशी गणेश सिंह ने भी संबोधित किया।तिवारी ने कहा कि 2003 के पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्य था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद यहां विकास के इतने काम हुए हैं कि आज मध्यप्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में आ गया है।

भाजपा सरकार में मंत्री गोपाल भार्गव का रोड शो

भाजपा ने विदेश में साधा मतदाता को

विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रदेश भाजपा विदेश विभाग द्वारा #VoteyMP कैंपेन के अन्तर्गत Global Call-A-Thon का आयोजन विभाग संयोजक रोहित गंगवाल के नेतृत्व में किया गया। Call-A-Thon के माध्यम से विश्व के करीब 21 देशों के 250 से अधिक एनआरआई जैसे यूएसए, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, यूके, बहरीन, कुवैत, जापान, यूएई, सिंगापुर, पोलैंड, हांगकांग, नाइजीरिया, नॉर्वे, डेनमार्क, मलेशिया, कनाडा, केन्या, रूस, दक्षिण अफ्रीका फिर इस बार भाजपा सरकार卐 के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार 14 घंटे, 15 से 20 हजार मध्यप्रदेश के मतदाताओं को कॉल कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए आग्रह किया। इस कैंपेन का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ना और भाजपा के समर्थन में चुनावी माहौल तैयार करना था।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने कहा

मतदाता जागरुक बनें, एथिकल वोटिंग करें, हर पहलू पर हमारी निगाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में विधानसभा चुनाव की समूची प्रक्रिया के बीच निर्वाचन आयोग की भूमिका सर्वोपरि हो चुकी है। राजनीतिक दलों से लेकर प्रशासन का हर मुलाजिम अब आयोग के नियमों के 'अधीन' है। मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन का कहना है कि मतदाता को हरसंभव सुविधा व निष्पक्ष व निर्भीक मतदान की व्यवस्था कराई गई हैं, मगर जरूरी है कि मतदाता भी जागरुक बने और एथिकल यानि नैतिक मतदान करे। राजन कहते हैं- चुनाव प्रक्रिया में बहुत लोगों का योगदान,निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए ज़रूरी है। मैं कहना चाहूंगा कि जागरूक मतदाता बनें। आयोग ने सी-विजिल के जरिए हर व्यक्ति को आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त एथिकल वोटिंग बहुत बड़ा अधिकार है। यानि नैतिक मतदान। इसलिये नागरिक किसी भी चीज से बिना प्रभावित हुए मतदान करें।

राजन कहते हैं कि आदर्श चुनाव आचार संहिता एक सेट ऑफ रूल्स हैं। एक विहेवियर है। इसमें राजनीतिक दल या उम्मीदवार से अपेक्षा है कि कौन सा व्यवहार करें या कौन सी चीजें करें और कौन सी ना करें। एमपी पोस्ट पर उन्होंने कहा कि आचार संहिता का उल्लंघन कई मायनो में देखा जाता है मसलन धर्म के नाम वोट नहीं लेंगे, धार्मिक स्थानों का उपयोग नहीं करेंगे, कोई ऐसी बात नहीं कहेंगे अपने प्रचार के दौरान जिससे वैमनस्यता फैलने, पार्टी की नीतियों की आलोचना करेंगे व्यक्तिगत जीवन पर टिप्पणी नहीं करेंगे, बेबुनियादी आरोप नहीं लगाएंगे नहीं करेंगे। तकनीकी के उपयोग पर उनका कहना है कि सी-विजिल ऐप सिटीज़न के लिए है,। नागरिक स्वयं निगरानी करें कि व्यवहार या आचार विचार जो दलों से अपेक्षित है उसका पालन हो रहा है या नहीं। जो भी शिकायत प्राप्त होती है उसका 100 मिनट में निराकरण किया जाता है। कई बार यदि कोई नागरिक अपनी पहचान गोपनीय रखता है, पहचान उजागर नहीं करना चाहता तो वह बिना पहचान बताए भी शिकायत दर्ज करा सकता है। इसी तरह सक्षम ऐप हमारे दिव्यांग साथियों को चुनाव के मतदान केंद्र पर सहायता के लिए है।

सोशल मीडिया पर भी निगाहें

राजन के मुताबिक जितने सोशल मीडिया प्लेटफार्म हैं हम उनकी निगरानी कर रहे हैं। हर जिले में निगरानी सेल बने हैं। यदि ऐसा कोई पोस्ट आता है जो हमे अनवांटेड पोस्ट लगता है या दो कम्युनिटी के बीच में हेटरेड फैला रहा है तो आयोग के विभिन्न सोशल मीडिया के साथ टेकडाउन एग्रीमेंट हैं, चोहे वो फेसबुक, ट्विटर हो या इंस्टाग्राम हो, उनसे हम रिक्वेस्ट करते हैं वो अपनी इंक्रायरी के बाद उसको हटा देते हैं। इसी तरह 65000 मतदान केंद्र में से हम न्यूनतम 50 प्रतिशत केंद्रों पर वेब कास्टिंग करवाएंगे।

तीन बार हिसाब देना जरूरी

उम्मीदवार जब से नामांकन दर्ज करता है उस दिन से उसका खर्चा जुड़ता है। खर्च की कुल सीमा विधायकों के लिए 40 लाख है। प्रेक्षक इस पर नजर रख रहे हैं। हर उम्मीदवार को स्वयं या एजेंट के माध्यम से अपने चुनावी खर्चों का विवरण कुल समय के दौरान तीन बार जमा करना होता है। हमारी टीम भी हिसाब किताब रखती है, शैडो रजिस्टर बने होते हैं। यदि आयोग को बताए खर्च कम करके बताया जाता है आयोग उम्मीदवार को नोटिस जारी करता है, इसे 48 घंटे में खर्चे को समझाते हुए उत्तर जमा करना पड़ता है। राजन के मुताबिक आयोग की पूरी नजर रहती है। अखबार में छपने वाली खबरों पर नजर रखता यदि कोई खबर पेड न्यूज की श्रेणी में आती है तो राज्य एवं जिला स्तर पर एमसीएमसी गठित हैं उनके माध्यम से उस पर कार्रवाई होती है।

बारह हजार से अधिक विद्यार्थी राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा में शामिल हुए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चंद्रयान-2 की सफलता के बाद छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ी है। इस परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा। इन परीक्षाओं के बाद चुने गए बच्चों को इसरो सहित देश के अन्य संस्थानों में विजिट करने का मिलेगा। वे वैज्ञानिकों ने मिलकर अपने प्रश्प पूछ सकेंगे एवं आगे भी रिचर्स को लेकर वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते हैं। यह बात विज्ञान भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में विज्ञान भारती के संयोजक डॉ.

राकेश पांडेय ने कही। बता दें मध्य प्रदेश से 12 हजार 279 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह पहला मौका था जब इस परीक्षा में प्रदेश से इतनी अधिक संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। इससे पहले 2 से 3 हजार विद्यार्थी ही परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीयन कराते थे।

राज्य कर्मचारियों को दिवाली के पहले मिले महंगाई भत्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र लघुवेतन कर्मचारी संघ ने जुलाई से राज्य के कर्मचारियों को भी महंगाई भत्ता देने के संबंध में मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। प्रदेश के विभिन्न विभागों के कर्मचारी केंद्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ते की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दीपावली का त्योहार नजदीक है ऐसे में महंगाई भत्ता मिलता है तो काफी राहत मिलेगी। राज्य के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता वर्तमान में 42 प्रतिशत है, जबकि जबकि केंद्र के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 46 फीसदी है। समान व्यवस्था को देखते हुए राज्य के कर्मचारियों को भी जुलाई 2023 से 46 फीसदी के हिसाब से महंगाई भत्ता स्वीकृत करने हेतु निर्देश जारी किए जाए।

स्थापना दिवस पर मप्र गान, 20 मिनट में होंगे सांस्कृतिक आयोजन, आधे घंटे में कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के कारण इस बार एक नवंबर को मध्य स्थापना दिवस एक नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन मप्र गान होगा और 20 मिनट में सांस्कृतिक कार्यक्मों की प्रस्तुतियां होगी। इसके अलावा कोई कार्यक्रम नहीं होंगे। पूरा आयोजन सिर्फ आधे घंटे में ही खत्म करना होगा। मप्र में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसकी घोषणा हो चुकी है। 17 नवंबर को वोट डाले जाने हैं, उसके पहले यह आयोजन पड़ रहा है, जिसे आयोग ने संक्षिप्त कर दिया है।

उल्लेखनीय हे कि एक नवंबर को राजधानी के लाल परेड मैदान पर भव्य आयोजन होता है। इसके साथ ही प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। गत वर्ष मुंबई के संगीत निर्देशक और पार्श्व गायक शंकर महादेवन और उनकी टीम ने राज्य स्तरीय स्थापना दिवस समारोह में प्रस्तुति दी थी।

कलेक्टरों को भेजे पत्र, आधे घंटे का दिया समय

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने पत्र भेजकर भोपाल समेत प्रदेश के सभी कलेक्टरों को स्थापना दिवस कार्यक्रम के लिए आधे घंटे का समय दिया है। इस दौरान राष्ट्रगान के बाद सिर्फ मप्र गान सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है... की प्रस्तुति होगी। जीएडी ने सभी कलेक्टरों को भेजे पत्र में कहा है कि स्थापना दिवस पर जिला स्तर पर आधे घंटे का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सुबह नौ बजे कलेक्टरों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा राष्ट्रगान होगा। गान के पश्चात 20 मिनट का स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा और मप्र गान से कार्यक्रम का समापन होगा।

ये कार्यक्रम भी रद्द किए

शौर्य स्मारक वर्षगांठ (भोपाल, 14 अक्टूबर), संभावना (भोपाल, 28 अक्टूबर) श्री रामलीला उत्सव (भोपाल, 17-23 अक्टूबर), शक्ति पर्व (गुना, मैहर, नलखेड़ा, बुरहानपुर, सलकनपुर, भोपाल, उज्जैन 15 अक्टूबर, 20-22, 21-23) शामिल हैं। प्राकट्य उत्सव (उज्जैन, 15 अक्टूबर), ठुमरी समारोह (देवास, 15-16 अक्टूबर), रूपाभ प्रदर्शनी (भोपाल, 17-22 अक्टूबर), स्मृति प्रसंग डा. धर्मवीर भारती (भोपाल, 20-22 अक्टूबर), रामलीला उत्सव (परासिया, छिंदवाड़ा, 22-24 अक्टूबर) और प्रतिमान (महू 25-26 अक्टूबर) को भी स्थगित किया गया है।

मेट्रो एंकर नामांकन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर, हजारों नामांकन अधूरें

गलत उम्र में प्रवेश नवमीं के नामांकन में परेशानी, प्रमुख सचिव लेंगे अंतिम निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल में नवमीं के नामांकन का. कार्य चल रहा है। जिसमें 31 दिसंबर 2010 के बाद के जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का नवमीं में नामांकन नहीं हो रहा है। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया है। जबकि नामांकन की अंतिम तिथि मंडल ने 31 अक्टूबर है। ऐसे में पहली कक्षा में दिए गलत उम्र में प्रवेश नवमीं के नामांकन में परेशानी बन गए हैं। मामले में माशिमं ने मप्र शासन, राज्य शिक्षा केंद्र के पहली में प्रवेश के नियम शासन को ही भेज दिए है। जिसमें बताया गया है कि शासन ने पहली में प्रवेश की न्यूनतम आयु पांच साल निर्धारित की है। इसके अनुसार मंडल में 5 प्लस 8 यानि 13 साल की उम्र में नवमीं नामांकन हो रहा है। अब उम्र के बंधन को लेकर अंतिम निर्णय प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि शमी को लेना है। इसके बाद ही हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का नवमीं प्रवेश माना जाएगा। मामले में अब प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि शमी को अंतिम निर्णय लेना है।

बाल आयोग ने भी लिखा पत्र

मामले की शिकायत मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग तक पहुंची है। जिसके बाद आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। आयोग ने उम्र के बंधन व 12वीं में माध्यम परिवर्तन के मामले का जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही है।

यह है पूरा मामला: दरअसल मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु पांच वर्ष की है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी हर साल जारी निर्दशों में पांच वर्ष की न्यूतनम आयु के विद्यार्थियों को पहली कक्षा में प्रवेश देने के लिए सत्र की शुरूआत में निर्देश जारी करता है। इसके अनुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल भी नवमीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 साल (5 प्लस 8) की है। लेकिन कई विद्यार्थी शासकीय स्कूलों में आठवीं तक निरंतर प?ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी है।

सुविचार

''जुदा होने का दर्द, दोबारा मिलने की खुशी के आगे कुछ नहीं है।''

-अज्ञात

संपादकीय

चुनाव और सक्रियता

देश में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं और छह महीने बाद लोकसभा का चुनाव होने वाला है। इस बीच भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कोशिशों में आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जिस ढंग से सक्रिय नजर आ रहे हैं, उसे लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। विपक्षी दल लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ये एजंसियां केंद्र सरकार के इशारे पर बदले की भावना और नाहक परेशान करने की नीयत से कार्रवाई कर रही हैं। इसकी शिकायत सर्वोच्च न्यायालय में भी की गई थी, मगर उसने इनकी कार्रवाइयों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू है, मगर इन केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी और राजनेताओं, उनके रिश्तेदारों आदि से पूछताछ चल रही है। राजस्थान में मुख्यमंत्री गहलोत के करीबी लोगों के घरों पर छापेमारी हुई तो उन्होंने इनको लेकर बहुत तल्ख और आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। उनकी भाषा पर एतराज जताते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया, तो उन्होंने न तो उसके लिए किसी तरह का अफसोस जाहिर किया और न अपने बयान को अनुचित माना। उन्होंने कहा कि जब एक मुख्यमंत्री को इस तरह परेशान किया जाएगा, तो उसकी भाषा ऐसी ही निकलेगी लेकिन भाषा गलत थी यह तो साफ ही है।मप्र में भी कुछ विपक्षी नेताओं ने आशंका जताई है कि अगले कुछ दिनों में यहां छापेमारी बढ सकती है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के समय और व्यक्तियों के चुनाव को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। यह सवाल बार-बार पूछा जाता है कि ये एजेंसियां उन्हीं नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों करती हैं, जो केंद्र के विपक्ष में हैं और सत्तापक्ष के खिलाफ बोलते रहते हैं। फिर यह भी कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होना होता है, वहीं क्यों अधिक छापेमारी की जाती या पुराने मामलों की फाइलें खोल कर जांच शुरू कर दी जाती है। विपक्षी दल उन नेताओं के नामों की सूची भी बार-बार दोहराते रहते हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजंसियों के पास भ्रष्टाचार से जुड़े मामले दर्ज हैं, मगर उनके सत्तापक्ष में चले जाने के बाद उनके खिलाफ जांच रोक दी गई हैं। बार-बार दोहराया जाता है कि इन एजेंसियों की कार्रवाई में तो तेजी आई है, मगर वास्तव में दोष सिद्धि नगण्य है। हालांकि जब भी किसी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो वह खुद को पाक-साफ ही बताता है, मगर पिछले कुछ सालों में ऐसे मामलों को लेकर आमजन में एक तरह का सामान्य स्वीकार भाव पैदा हो गया है। विपक्षी दलों के हर छापे या पूछताछ को राजनीति से प्रेरित बताते रहने से लोगों में यह धारणा गाढ़ी होती देखी जा रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का मकसद भ्रष्टाचार रोकने के बजाय कुछ और ही है। यह बहुत चिंताजनक संकेत है। जब लोगों में भ्रष्टाचार के प्रति सहज स्वीकार का भाव पैदा होगा, तो ऐसे आचरण पर नकेल कसना और मुश्किल होता जाएगा। कुछ मामलों में न्यायालय भी प्रवर्तन निदेशालय के गिरफ्तारियों आदि से जुड़े अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या करते हुए उसे मर्यादा में रह कर काम करने को कह चुके हैं। इन सबके बावजूद अभी केंद्रीय जांच एजंसियों पर आमजन का भरोसा बहुत कमजोर तो नहीं हुआ है, मगर एजेंसियों को भी देखना होगा कि यह भरोसा मजबूत बना रहे। इसके लिये एजेंसियों के दक्ष अफसरों का जिम्मा बढ जाता है।

निशाना

बन रही ना पैठ !

-कृष्णेन्द्र राय

जो बातें हैं ग़लत ।
हो उनका विरोध ।।
करके सोच छोटी ।
है आता अवरोध ।।
कर रहा ये वोट बैंक ।
सबका ही नुकसान ।।
ध्यान सही का रख कर ही ।
है हटता व्यवधान ।।
है करना मूल्यांकन ।
मिल रही जो हार ।।
किससे कब कब क्या ?
है किया करार ।।
दिल में लगता आजकल ।
बन रही ना पैठ ।।
दूसरा पर कैसे ।
कर लिया घुसपैठ ।।

आज का इतिहास

- 2006 में आज ही के दिन श्रीलंका सरकार ने तमिल विद्रोहियों पर जाफना प्रायद्वीप में जवानों पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया था।
- 2005 में 31 अक्टूबर को ही चीन और नेपाल सीमा के संयुक्त निरीक्षण पर सहमत हुए थे।
- 2004 में आज ही के दिन फालुजा में अमेरिका ने हवाई हमला किया था।
- 2003 में 31 अक्टूबर को ही मलेशियाई प्रधानमंत्री महाथिर मुहम्मद के 22 वर्ष लंबे शासन का अंत हुआ था।
- 2003 में आज ही के दिन हैदराबाद में आयोजित अफ्रोएशियन हॉकी चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 3-1 से हराकर गोल्ड जीता था।

148वीं जन्म जयन्ती, 31 अक्टूबर, 2023

सरदार वल्लभभाई पटेल लौहपुरुष एवं भारत के बिस्मार्क थे सरदार पटेल

ललित गर्ग

अदम्य उत्साह, असीम शक्ति एवं कर्मठता से नवजात भारत गणराज्य की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान कर विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर एक अमिट आलेख लिखने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय आंदोलन से लेकर आज़ादी के बाद भी, सरदार पटेल का योगदान अविस्मरणीय है। महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार की उपाधि दी थी। उनकी अखण्ड भारत को लेकर जितनी बड़ी कल्पनाएं थी, जितने बड़े सपने थे, उसी के अनुरूप लक्ष्य बनाये और उतने ही महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किये। इसलिये उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन एवं आजादी के बाद आधुनिक भारत को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने, 562 रियासतों का एकीकरण कर संगठित राष्ट्र निर्मित करने के कारण पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण, ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम स्थान प्राप्त किया। वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी थे। भारत की माटी को प्रणम्य बनाने एवं कालखंड को अमरता प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरदार पटेल के कठोर व्यक्तित्व में बिस्मार्क जैसी संगठन कुशलता, कौटिल्य जैसी राजनीति दूरदर्शिता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अब्राहम लिंकन जैसी अटूट निष्ठा थी। राजनीतिक कारणों से इस लोकपुरुष को उतना गौरवपूर्ण स्थान नहीं मिला, जितना अपेक्षित था। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने इस कमी को पूरा करते हुए इतिहास-पुरुष पटेल की जन्म दिवस प्रतिवर्ष देशभर के सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा का सूत्रपात किया। उनकी जयंती के मौके पर गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची मूर्ति स्टेच्यू ऑफ़ यूनिटी राष्ट्र को समर्पित की गई है जोकि ÷देश की एकता में उनके योगदान÷ को इंगित करती है।

वास्तव में, सरदार पटेल होना आसान नहीं है। पटेल एक मज़बूत, अडिग और दृढ़ संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे, भारत के देशभक्तों में एक अमूल्य रत्न थे एवं आधुनिक भारत के शक्ति स्तम्भ थे। आत्म-त्याग, अनवरत सेवा तथा दूसरों को दिव्य-शक्ति की चेतना देने वाला उनका जीवन सदैव प्रकाश-स्तम्भ की अमर ज्योतित रहेगा। वे मन, वचन तथा कर्म से एक सच्चे भारतीय एवं भारतीयता के प्रतीक पुरुष थे। वे वर्ण-भेद तथा वर्ग-भेद के कट्टर विरोधी थे। वे अन्तःकरण से निर्भीक थे। अद्भुत अनुशासन प्रियता, अपूर्व संगठन-शक्ति, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता एवं अनूठी प्रशासनिक क्षमता उनके चरित्र के अनुकरणीय अलंकरण थे। कर्म उनके जीवन का साधन था। संघर्ष को वे जीवन की व्यस्तता समझते थे। गांधीजी के कुशल नेतृत्व में सरदार पटेल का स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान उत्कृष्ट एवं महत्त्वपूर्ण रहा है।

सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद (ननिहाल) में 31 अक्टूबर 1875 को हुआ। उनका पैतृक निवास स्थान गुजरात के खेड़ा के आनंद तालुका में करमसद गांव था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल तथा माता लाडबा देवी की चौथी संतान थे। उनका विवाह 16 साल की उम्र में झावेरबा पटेल से हुआ। उन्होंने नडियाद, बड़ौदा व अहमदाबाद से प्रारंभिक शिक्षा लेने के उपरांत इंग्लैंड मिडल टैंपल से लॉ की पढ़ाई पूरी की एवं 22 साल की उम्र में जिला अधिवक्ता की परीक्षा उत्तीर्ण कर बैरिस्टर बनें। वे कितने मेधावी थे इसका अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि 1910 में वे पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए और लॉ का कोर्स उन्होंने आधे वक्त में ही पूरा कर लिया। वे भारत लौट आए और स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान देने लगे। सरदार पटेल ने अपना महत्वपूर्ण योगदान 1917 में खेड़ा किसान सत्याग्रह, 1923 में नागपुर झंडा सत्याग्रह, 1924 में बोरसद सत्याग्रह के उपरांत 1928 में बारडोली सत्याग्रह में देकर अपनी राष्ट्रीय

पहचान कायम की।

सरदार पटेल का व्यक्तित्व विवादास्पद रहा है। प्रायः उन्हें 'असमझौतावादी'', 'पूँजी समर्थक', 'मुस्लिम विरोधी', तथा 'वामपक्ष विरोधी' कहा जाता है। पटेल की राजनीतिक भूमिका, योगदान तथा चिंतन का सही विश्लेषण किया जाना एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को लेकर पैदा की गयी भ्रान्तियाँ दूर कर पक्षपातों तथा पूर्वाग्रहों से रहित वास्तविक तथ्यों को उजागर किये जाने के प्रयास अपेक्षित है। उनके राजनीतिक जीवन से सम्बन्धित उपेक्षित या छिपे हुए महत्त्वपूर्ण तथ्यों को सामने लाकर उसका आलोचनात्मक विश्लेषण किया जाये, ताकि भारत के स्वतंत्रता संग्राम एवं आधुनिक भारत के निर्माण के प्रारंभिक इतिहास का वास्तविक स्वरूप सामने आये। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। 1947 में भारत को आजादी तो मिली लेकिन बिखरी हुई। इतनी रियासतें थीं, कुछ बेहद छोटी तो कुछ बड़ी। ज्यादातर राजा भारत में विलय के लिए तैयार थे। लेकिन, कुछ ऐसे भी थे जो स्वतंत्र रहना चाहते थे। यानी ये देश की एकता के लिए खतरा थे। सरदार पटेल ने इन्हें बुलाया और समझाया। वे मानने के लिए तैयार नहीं हुए तो पटेल ने सैन्य शक्ति का इस्तेमाल किया। सरदार पटेल ने फरीदकोट के नक्शे पर अपनी लाल पैंसिल घुमाते हुए केवल इतना पूछा कि 'क्या मर्जी है?' राजा कांप उठा। आज एकता के सूत्र में बंधे भारत के लिए देश सरदार पटेल का ही ऋणी है। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। महात्मा गांधी ने सरदार पटेल के बारे में लिखा था, 'रियासतों की समस्या इतनी जटिल थी जिसे केवल तुम ही हल कर सकते थे।' कहा जाता है कि एक बार उनसे किसी अंग्रेज ने इस बारे में पूछा तो सरदार पटेल ने कहा- मेरा भारत बिखरने के लिए नहीं बना। फ्रैंक मोराएस ने लिखा भी है- ''एक विचारक आपका ध्यान आकर्षित करता है, एक आदर्शवादी आदर का आह्वान करता है, पर कर्मठ व्यक्ति, जिसको बातें कम और काम अधिक करने का श्रेय प्राप्त होता है, लोगों पर छा जाने का आदी होता है, और पटेल एक कर्मठ व्यक्ति थे।''

निःसंदेह स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सरदार पटेल भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी योद्धा व भारत सरकार के आधार स्तंभ थे। वे ही भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बनने वाले थे, लेकिन जवाहरलाल नेहरू की हठ एवं गांधी के कहने पर पटेल पीछे हटे। आजादी से पहले भारत की राजनीति में इनकी दृढ़ता और कार्यकुशलता ने इन्हें स्थापित किया और आजादी के बाद भारतीय राजनीति में उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को देश के अनुकूल बनाने की क्षमताओं ने सरदार पटेल का कद काफी बड़ा कर दिया। सरदार पटेल गृहमंत्री के पद पर रहते हुए जहां पाकिस्तान की छद्म व चालाकीपूर्ण चालों से सतर्क थे वहीं देश के विघटनकारी तत्वों से भी सावधान करते थे। विशेषकर वे भारत में मुस्लिम लीग तथा कम्युनिस्टों की विभेदकारी तथा रूस के प्रति उनकी भक्ति से सजग थे। यदि पटेल के कहने पर चलते तो कश्मीर, चीन, तिब्बत व नेपाल के हालात आज जैसे न होते। पटेल सही मायनों में मनु के शासन की कल्पना थे। उनमें कौटिल्य की कूटनीतिज्ञता तथा महाराज शिवाजी की दूरदर्शिता थी। वे केवल राजनीति के सरदार ही नहीं बल्कि भारतीयों के हृदय के सरदार थे। यदि पटेल की बात मानी गई होती तो 1961 तक गोवा की स्वतंत्रता की प्रतीक्षा न करनी पड़ती। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। पडौसी देशों एवं कश्मीर की समस्या भी इतनी लम्बी नहीं होती। क्योंकि सरदार पटेल शास्त्रों के नहीं, शस्त्रों के पुजारी थे। पटेल अखण्ड एवं सुदृढ़ भारत का सपना देखते थे।

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

पंकज चतुर्वेदी

जल सहेजने को जागरूकता की प्रेरक पहल

कथन पुरवा, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले का एक गांव। यहां से खबर आई कि गांव वालों ने रेडियो जल क्लब का गठन किया है। इस संस्था के लोग गांव में घर-घर जाकर बता रहे कि सभी को बूंद-बूंद पानी बचाना होगा, तभी भविष्य के लिए पेयजल संरक्षित रह पाएगा। महिलाएं समझ रही हैं कि पेयजल के साथ स्वच्छता सभी के लिए जरूरी है। बच्चे के हाथ भोजन करने के पूर्व तथा शौच के बाद साबुन से धुलें। सभी को शिक्षा के साथ स्वच्छता एवं पेयजल संरक्षित करने में सहयोग देना होगा। इसी तरह लखीमपुर जिले के ग्राम डकिया जोगी की महिलाओं ने 'जल क्लब' बना लिया। क्लब से जुड़ी महिलाएं शपथ ले चुकी हैं कि जल की हर बूंद को सहेजने के लिए काम करेंगे। उत्तर प्रदेश के कई गांव-कस्बों से अब लोग पानी सहेजने के लिए आगे आ रहे हैं। यह असर संचार के एकतरफा संवाद का माध्यम कहे जाने वाले रेडियो पर प्रसारित एक कार्यक्रम 'बूंदों की न टूटे लड़ी ' का है।

पानी बचाना जरूरी है। बेपानी हो गए तो देश के प्रगति चक्र की गति मंथर हो जाएगी। यह बात समाज भी समझता है और सरकार भी। प्रयास भी हो रहे हैं लेकिन लोगों तक इस विषय में जागरूकता की किरणें नहीं पहुंची। भले ही सूचना और मनोरंजन के कई आधुनिक साधन उपलब्ध हैं लेकिन आज भी आम आदमी का, दूरदराज आंचलिक आबादी का सहज-सुलभ संचार साधन रेडियो ही है। जब से मोबाइल में इंटरनेट के जरिये रेडियो मिलने लगा है, लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है।

इन दिनों आकाशवाणी, लखनऊ पानी की हर बूंद बचाने के लिए 100 दिन की शृंखला चलाये हुए है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। श्रोता

जल बचाने के लिए अपने स्तर पर एकजुट होकर प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा- मुझे आकाशवाणी लखनऊ द्वारा जल संरक्षण की अनूठी पहल पर संचालित रेडियो कार्यक्रम 'बूंदों की न टूटे लड़ी' में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। जल है तभी जीवन है। पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु, मानव समुदाय सभी जल पर निर्भर हैं।

आकाशवाणी के लखनऊ केंद्र द्वारा जी-20 में भारत की अध्यक्षता के उत्सव स्वरूप विश्वविद्यालयों के युवाओं के साथ यूथ कॉनक्लेव्स का आयोजन किया था जिसमें पर्यावरण और समेकित विकास के विशेष कार्यक्रम हुए। इसी क्रम में आकाशवाणी लखनऊ ने अपने एफएम चैनल पर एक अभिनव प्रयोग किया– जल के लिए चल। इसके तहत एक दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें अपेक्षा से कई सैकड़ों गुना लोग आए।

लोगों के उत्साह को देखते हुए आकाशवाणी की कार्यक्रम अधिकारी मीनू खरे ने एक और अनूठा प्रयोग शुरू कर दियाङ्क 'जल संरक्षण के लिए रेडियो तरंगों पर मानव शृंखला का निर्माण।' यह अनवरत शृंखला 100 दिन तक चल रही है। यह देश की प्रथम ह्यूमन चेन है जो रेडियो तरंगों पर निर्मित हो रही है। इसके अंतर्गत हर दिन किसी ऐसे जल योद्धा से बातचीत की जाती है जिसने जल संरक्षण में क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया हो। इसमें समाज के हर वर्ग के जल योद्धा शामिल हैं-पद्म अलंकारों से विभूषित जल योद्धा, ब्यूरोक्रेट्स, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, गीतकार, गायक, अभिनेता, कम्युनिटी लीडर्स, पत्रकार और सामान्य जन आदि। इसमें पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, प्रशासनिक अधिकारी हीरा लाल, मैग्सेसे अवार्डी राजेंद्र सिंह, पुलिस सेवा के महेंद्र मोदी आदि शामिल हो चुके हैं। यह कार्यक्रम सुबह नौ बजे आता है, जिसमें दस मिनट के विमर्श में 'पानी बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?' पर सवाल-जवाब होते हैं।

इस कार्यक्रम से कई ऐसे लोग सामने आये जो असाधारण काम कर रहे हैं। मडियाओन की एच् फातिमा ने एलएमसी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले नल के पानी की गुणवत्ता के मुद्दों की खोज के बाद स्वच्छ पानी के लिए रैली की थी। इसके बाद न केवल समुदाय को साफ पानी उपलब्ध हुआ, बल्कि पाइपलाइन लीक मरम्मत कर पानी की बर्बादी भी रोकी गई।

यह सुखद है कि आवाज़ की दुनिया चेहरे को नहीं, बल्कि कार्य को प्रस्तुत कर रही है और इससे जल को लेकर आम लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। लोग जान रहे हैं कि जल का स्रोत केवल बरसात है या फिर ग्लेशियर। नदी, समुद्र, तालाब, कुआं-बावड़ी जल के स्रोत नहीं बल्कि प्रकृति से मिले जल को सहेजने के खजाने हैं।

यह रेडियो विमर्श लोगों को याद दिला रहा है कि प्रकृति पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें ही लौटाना होता है। जरूरी है कि विरासत में हमें जल को सहेजने के जो साधन मिले हैं उनको जीवंत रखें। आकाशवाणी की यह मुहिम और इसे मिल रहा सकारात्मक प्रतिसाद अन्य एफएम रेडियो और टीवी चैनलों के लिए प्रेरणा है।

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी

केंद्रीय प्रेक्षक की हिदायत- निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराएं चुनाव

प्रेक्षकों ने बैठक कर चुनाव तैयारियों की जानकारी ली

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारत निवार्चन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक उदय नारायण दास , सुहास एस , व्यय लेखा प्रेक्षक रजत दत्ता तथा पुलिस प्रेक्षक शिवहरि मीना ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले की चारों विधानसभाओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सभी प्रेक्षकों ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने चारों विधानसभाओं के निर्वाचन के लिए की गई तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के इलेक्शन प्लान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 1187 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जिनमें सिवनीमालवा विधानसभा अंतर्गत 318 , होशंगाबाद विधानसभा में 238, सोहागपुर विधानसभा में 314 एवं पिपरिया विधानसभा में 317 मतदान केंद्र शामिल हैं। 291 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्र एवं 896 ग्रामीण क्षेत्रों में है।

उन्होनें बताया कि जिले में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचारी गतिविधियों का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है। कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हित किया गया है, ऐसे केंद्रो पर डोर टू डोर संपर्क सहित अन्य विशेष अभियान के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री सिंह ने बताया कि कुल 6160 कर्मचारी मतदान के लिए उपलब्ध है। साथ ही 118 सेक्टर ऑफिसर ,1050 माइक्रो आब्जर्वर मतदान और मतगणना के लिए , 1187 बीएलओ ,110 बीएलओ सुपरवाइजर और 185 मतगणना अधिकारी उपलब्ध हैं। जिन्हें निर्धारित शेड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैठक में एसपी डॉ गुरकरन सिंह, जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत,अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

250 पोलिंग बूथ का महिला कर्मी करेंगी संचालन

कलेक्टर सिंह ने बताया कि जिले में 250 ऐसे मतदान केन्द्र बनाए गए हैं, जिनका पूरी तरह संचालन महिला कर्मी करेंगी। इन पोलिंग बूथ में केवल महिला कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जिले में 100 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 4 दिव्यांग मतदान केंद्र एवं 19 शैडो एरिया मतदान केंद्र हैं। कुल 1187 मतदान केंद्रों में से 594 मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग (लाइव स्ट्रीमिंग)की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में बताया कि जिले में निर्वाचन के लिए 872 वाहनों की आवश्यकता है। जिनकी जिले में उपलब्धता है।

गुप्ता ग्राउंड पर लगेगा पटाखा बाजार, दीपावली का बाजार एसएनजी ग्राउंड में

कलेक्टर ने बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पूर्व वर्ष की तरह इस बार भी दीपावली का बाजार एसएनजी ग्राउंड नर्मदापुरम में और पटाखा बाजार गुप्ता ग्राउंड में लगेगा। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में एसडीएम नर्मदापुरम और सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी एसडीएम को पटाखा लाइसेंस की अनुमतियां के संबंध में भी शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में खरीफ उपार्जन के सत्यापन की प्रगति की समीक्षा कर सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तवा बांध से नहरों में पानी छोड़ने की कार्यवाही पर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में विधानसभावार प्राप्त नाम निर्देशन पत्र की जानकारी ली और निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नाम निर्देशन प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिए। उन्होंने संविक्षाः की भी तैयारी करने के निर्देश दिए जिले में खाद की उपलब्ध एवं वितरण की भी समीक्षा कर खाद की सुचारू रूप से आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जिला वितरण अधिकारी को दिए। उन्होंने मतदान केंद्र पर रंगाई , पुताई , रोशनी, रैंप सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को दिए।

कलेक्टर सिंह ने बैठक में खरीफ उपार्जन के सत्यापन की प्रगति की समीक्षा कर सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत,उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

एफएसटी-एसएसटी जांच दल, 76 लाख से अधिक की राशि जप्त

पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने बताया कि जिले में सघन जांच एवं निगरानी के लिए जिले की सीमाओं पर 14 जांच बनाए गए हैं, 12 एफएसटी, 12 एसएसटी तथा 4 वीएसटी दल सक्रिय हैं। जिनके द्वारा लगभग 76 लाख की राशी, 44 लाख लागत की अवैध शराब एवं 5 लाख की नशीले पदार्थों को जप्त किया गया हैं। अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है.

जिले की चारों विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 940069 हैं, जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 486657 , महिला मतदाताओं की संख्या 453377 एवं 35 अन्य मतदाता है। 18 से 19 वर्ष आयु के नवीन मतदाताओं की संख्या 43603 हैं,जिनमें 23797 पुरुष एवं 19806 महिला शामिल हैं। जिले में 80 प्लस आयु के मतदाताओं की संख्या 10905 है जिनमें 4440 पुरुष एवं 6465 महिलाएं शामिल है। मतदाता सूची का लिंगानुपात 931.62 है एवं ईपी रेशों 66.72 हैं। जिले में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 8988 है जिनमें 5733 पुरुष एवं 3255 महिला शामिल हैं। वहीं सर्विस वोटर की संख्या 1894 हैं।

भारत निवार्चन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक उदय नारायण दास, सुहास एस , व्यय लेखा प्रेक्षक रजत दत्ता तथा पुलिस प्रेक्षक शिवहरि मीना ने कलेक्टर कार्यालय में चल रही विभिन्न निर्वाचन संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण किया और विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पेड न्यूज मॉनिटरिंग सेल, निर्वाचन व्यय लेखा सेल, जिला कन्ट्रोल रूम, वीवीटी आदि कक्षों का निरीक्षण कर निर्वाचन संबंधी कार्यवाही को देखा।

नर्मदापुरम विधानसभा

अंतिम दिन जमा हुए 12 नाम निर्देशन पत्र

नर्मदापुरम। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम दिन सोमवार 30 अक्टूबर को नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र में कुल 12 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। केंद्रीय निर्वाचन प्रेक्षक उदय नारायण दास ने रजिस्ट्रीकरण कार्यालय नर्मदापुरम में नाम निर्देशन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। साथ ही निर्वाचन की तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आशीष कुमार पांडे उपस्थित रहे.

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 12 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए जिनमें राजेश शर्मा ने 2 नाम निर्देशन पत्र जमा किए , जिनमें निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 1 तथा भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी के रूप में 1, इंडियन नेशनल कांग्रेस से प्रत्याशी गिरिजा शंकर शर्मा ने नाम निर्देशन पत्र के 2 सेट , राष्ट्रीय नवजागरण पार्टी से गुलाबदास बडोदिया ने 1, भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी डॉ सीतासरन शर्मा ने नाम निर्देशन पत्र के 2 सेट , निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अभिषेक चौधरी ने 1, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में धनीराम गौर ने 1, आम आदमी पार्टी से हरिओम कीर ने 1, नेशनल वर्ल्ड लीडर पार्टी से प्रत्याशी के रूप में सुरेंद्र कुमार लुटारे तथा अखंड भारत साम्राज्य पार्टी से सतेंद्र कुमार ने 1 नाम निर्देशन पत्र जमा किया है। विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम में अंतिम दिन तक 13 उम्मीदवार द्वारा कुल 22 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त जमा किए गए हैं.

पिपरिया विधानसभा

11 अभ्यार्थियों द्वारा 13 नाम निर्देशन पत्र जमा किए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा क्षेत्र पिपरिया में कांग्रेस भाजपा प्रत्याशी सहित 11 प्रत्याशियों ने 13 नामांकन पत्र जमा किए।

कांग्रेस से वीरेंद्र बेलवंशी भाजपा से ठाकुरदास नागवंशी बहुजन समाज पार्टी से प्रतिमा अहिरवार तथा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नरेंद्र पठारिया जुगल किशोर कडोली लाल मोनू मेहरा अखिलेश गढ़वाल सुनील पवार अनिल कुमार तथा होती लाल प्रमुख प्रत्याशी है. नामांकन के अंतिम दिन 11 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र जमा दिए।

सोहागपुर विधानसभा

8 नाम, 11 उम्मीदवारों ने जमा किए कुल 18 नाम निर्देशन पत्र

नर्मदापुरम। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम दिन सोमवार 30 अक्टूबर को सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 8 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। केंद्रीय निर्वाचन प्रेक्षक सुहास एस ने रजिस्ट्रीकरण कार्यालय सोहागपुर में नाम निर्देशन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। साथ ही सामग्री वितरण स्थल का अवलोकन कर निर्वाचन की तैयारी की जानकारी ली। इस दौरान रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बृजेंद्र रावत उपस्थित रहे. सहायक रिटर्निंग अधिकारी अलका एक्का ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 8 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए जिनमें महाकौशल राष्ट्रीय पार्टी से हरिसिंह ने एक, निर्दलीय प्रत्याशी रामेश्वर अहिरवार ने एक, निर्दलीय प्रत्याशी गणेश ने एक, निर्दलीय प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह गौर ने एक, निर्दलीय प्रत्याशी ब्रिजेश यादव ने एक, भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी विजयपाल सिंह राजपूत ने अपने नाम निर्देशन पत्र के दो सेट तथा निर्दलीय प्रत्याशी हबीब खां ने 1 नाम निर्देशन पत्र जमा किया। इस प्रकार सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र में अंतिम दिन तक कुल 18 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए है।

सिवनीमालवा विस केंद्रीय निर्वाचन प्रेक्षक श्री दास ने किया नाम निर्देशन प्रक्रिया का निरीक्षण

अंतिम दिवस 20 नाम आए, 19 उम्मीदवारों ने जमा किए कुल 25 नामांकन पत्र

नर्मदापुरम/ सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नाम निर्देशन के अंतिम दिवस 30 अक्टूबर को रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा सिवनीमालवा प्रमोद सिंह गुर्जर के समक्ष 20 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। केंद्रीय निर्वाचन प्रेक्षक उदय नारायण दास ने रजिस्ट्रीकरण कार्यालय सिवनी मालवा में नाम निर्देशन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। साथ ही सामग्री वितरण स्थल का भी अवलोकन कर निर्वाचन की तैयारी की जानकारी ली।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी राकेश खजूरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी प्रेम शंकर पिता कुंजीलाल वर्मा ने 2 सेट , ओम प्रकाश हजारीलाल रघुवंशी ने 3 नाम निर्देशन पत्र जमा किए जिनमें 2 इंडियन नेशनल कांग्रेस से प्रत्याशी के रूप में तथा एक निर्दलीय प्रत्याशी ग्रुप के रूप में, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सुरेश उईके पिता राधेश्याम उइके ने 1, अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी से कैलाश पिता हरि सिंह ने 1 , इंडियन नैशनल कांग्रेस से राधेश्याम गुलाब सिंह पटेल ने , निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राममोहन केशव गौर ने 1 ,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से उम्मेद सिंह रामकिशोर ने , बहुजन मुक्ति पार्टी से देवराज किशोरी लाल ने 1, आम आदमी पार्टी भगवान दास बलराम ने 1 ,आम आदमी पार्टी से सुनील गौर पिता ब्रजकिशोर ने 1, अखंड भारत समाज पार्टी से मांगीलाल मानिक पिता सीताराम ने 1, इंडियन नेशनल कांग्रेस से सुधीर गौर पिता प्रकाश गौर ने 1, भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी के रूप में अनीता वर्मा पति रामकृष्ण वर्मा ने 1 , इंडियन नेशनल कांग्रेस से अजय पटेल पिता विजय ने 1, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में योगेश पिता तुलाराम ने 1, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अजय लौवंशी पिता हर भजन ने 1, इंडियन पीपल्स अधिकार पार्टी से धीरज पिता मिलया चौहान ने 1 नाम निर्देशन पत्र जमा किया। अंतिम दिन तक सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र में कुल 19 अभ्यर्थियों के 25 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए हैं।

उमाकांत के नामांकन में स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के लगे नारे, तस्वीरें लहराई

लटेरी में लहराएं लक्ष्मीकांत के पोस्टर भाजपा का परचम, कांग्रेस प्रत्याशी के भाई ने किया स्वागत

क्या इस बार भी भाजपा की स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के सहारे पर लगेगी नाव लहरायेगा सिरोंज

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के नामांकन दाखिले के दौरान पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के नारे लगे और उनके पोस्टर लहराए। करीब 3 घंटे तक शहर में निकाली रैली में लक्ष्मीकांत शर्मा छाए रहे। वह उमाकान्त शर्मा के लिए उनकी तस्वीर को अपने हाथ मे थामकर उनका प्रतिनिधित्व करते नजर आए। इसके बाद सांसद राज बहादुर सिंह के साथ उमाकांत शर्मा ने अपना पर्चा जमा किया।

छत्री चौराहे से रैली के साथ नामांकन जमा करने जा रहे भाजपा प्रत्याशी के पीछे चल रहे कार्यकर्ताओं और जनता अपने नेता पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के पोस्टर हाथ मे थामें लहरा रहे थे। रैली शुरू होने के पहले हजारों की संख्या में उमड़े जनसमूह की सभा को संबोधित करते हुए उमाकान्त शर्मा ने कहा कि यह चुनाव उमाकांत शर्मा नही बल्कि आप सब मेरे भाई लक्ष्मीकांत शर्मा बनकर लड़ रहे है। आज भले भी वह हमारे बीच नही है लेकिन उनका आशीर्वाद हमारे साथ है। भाजपा के नेता रमेश यादव ने कहा कि हम सबको लक्ष्मीकांत शर्मा बनकर सिरोंज लटेरी क्षेत्र की चिंता करने वाले उनकी परछाई के रूप में काम करने वाले उमाकांत शर्मा की उंगली पकड़कर चुनाव लड़ाना है। इस दौरान सांसद राजबहादुर सिंह के साथ कुरवाई के पूर्व विधायक वीर सिंह पंवार, सहित जनप्रतिनिधिगण एवं भाजपा के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी के भाई ने किया स्वागत -कस्टम कठाली, चाँदनी चौक, राजबाजार, सुभाष नगर से होते हुए जनसैलाब का यह जुलूस जब बासौदा गेट पहुँचा तो यहाँ कांग्रेस प्रत्याशी गगनेन्द्र रघुवंशी के ताऊ पूर्व मंडी अध्यक्ष लटेरी के पुत्र वीरेंद्र ने रघुवंशी समाज के बैनर तले प्रतिष्ठित नेताओ ओर परिवारों के साथ विधायक उमाकांत शर्मा का स्वागत सम्मान कर अपना समर्थन प्रदान किया।

पुरुषों के साथ लाडली बहनाएँ भी हुई शामिल - बाजार में हजारों सँख्या में उमड़े जनसमुदाय और कार्यकर्ताओं के साथ आशीर्वाद रैली में पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा का चित्र हाथों में थामकर उत्साह पूर्वक नारेबाजी करते हुए काफी सँख्या में लाडली बहनों के रूप में महिलाएं भी शामिल हुई। रैली में कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण जुलूस को पूरा होने में अधिक समय होने के कारण नामांकन जमा के लिए वलेजा पेट्रोल पंप से 3 बजने के पहले उमाकांत तहसील परिसर पहुँचे ओर सांसद राजबहादुर सिंह की मौजूदगी में अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष जमा किया।

आब्जर्वर ने देखी निर्वाचन की व्यवस्थाएं

सिरोंज। मेघालय में पदस्थ 2011 के आईएएस अधिकारी विलप्रेड्ड नॉगसेंज को विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन विभाग के द्वारा ऑब्जर्वर वन नियुक्त किया गया है। सोमवार को उन्होंने निर्वाचन कार्यालय की गतिविधियां को बारीकी से देखा आरो कक्षा का जाया जा लिया इसके साथ उन्होंने स्ट्रांग रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच पड़ताल की। विधानसभा निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी निर्वाचन व अन्य तैयारी के संबंध में जानकारी भी ली। इनके द्वारा अपनी रिपोर्ट बनाकर निर्वाचन विभाग को भेजी जाएगी।

सामान्य प्रेक्षक का नंबर हुआ जारी, रेस्ट हाउस में मिलेंगे - नागालैंड के आईएएस अधिकारी विलप्रेड्ड नॉगसेंज को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया गया है । उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यालय रेस्ट हाउस को बनाया गया जहां पर सुबह 10-11 बजे तक मोबाइल नंबर 8103999483 एव टेलीफोन नंबर 0759129854 पर संपर्क कर सकते हैं । इसकी जानकारी निर्वाचन कार्यालय के द्वारा जारी की गई है। किसी भी बात के लिए आमजन इनसे बात कर सकते है।

सड़क ठेकेदार की लापरवाही से आम जनता हो रही है परेशान

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

कायाकल्प योजना के अंतर्गत लिंक रोड की सड़क का निर्माण भोपाल के ठेकेदार के द्वारा अपनी मनमर्जी से किया जा रहा है। सड़क का निर्माण कार्य कई महीनो पहले पूर्ण होना चाहिए था जो आज तक नहीं हो पाया है। सड़क का निर्माण सभी के लिए परेशानी का कारण बन गया है,दूसरी ओर दो दिन पहले से निर्माण कार्य प्रारंभ किया है। इसी बीच ठेकेदार ने एक और लापरवाही करते हुए पानी के टैंकर को भी निर्माण सामग्री के साथ सड़क पर ही रख दिया है । इसकी वजह से सड़क और भी सकरी हो गई। सोमवार को 2 दोनों अवकाश के बाद मंडी में आवक होने के कारण इस मार्ग पर जाम से दो पहिया वाहन चालक नहीं निकाल पाए पैदल निकलने वाले लोगों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा इसकी जानकारी होने के बाद भी यातायात पुलिस प्रशासन ने भी कोई ध्यान नहीं दिया दिन भर आम जनता परेशान होती रही। इस समस्या का समाधान करने के लिए कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।इसकी वजह से जनता में भी शासन प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिला व्यापारियों को भी परेशानी हो रही है । किसानों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदारी कुंभकरण की नींद सो रहे हैं।

जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

भाजपा प्रत्याशी ने दिखाया दम, अंतिम दिन कार्यकर्ताओं के सैलाब के साथ वाहन रैली लेकर पहुंचें नामांकन दाखिल करने

सिरोंज। कुरवाई से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी हरि सिंह सप्रे ने आज कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति के साथ अपनी ताकत दिखाते हुए नामांकन स्थल पहुंचकर माहौल बनाया। भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय घुंघट गार्डन में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया इसके बाद नगर के मुख्य मार्गो से वाहन रैली निकालकर नामांकन जमा करने सीधे रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय रवाना हुए।उनके साथ पूरे विधानसभा क्षेत्र भर के कार्यकर्ताओं और भाजपा के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। वाहन रैली के दौरान में बाजार में मुख्य सड़क पर तक कार्यकर्ताओं का अपार सैलाब नजर आया, भाजपा झंडों के साथ सड़क पर भगवामय वातावरण बनाने में भाजपा कार्यकर्ता काफी उत्साहित नजर आए। विधानसभा क्षेत्र के पांचो मंडलों से सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंचे।

मेट्रो एंकर मतदाताओं को जागरुक करने में जुटे अफसर

शास. एलबीएस महाविद्यालय में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत बनाई मानव श्रृंखला

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप गतिविधि के अंतर्गत महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी स्पोर्ट्स, अन्य छात्र तथा स्टाफने मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

ज्ञात हो कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विदिशा तथा अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा सिरोंज हर्षल चौधरी के निर्देशन में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। किसी कड़ी में आज महाविद्यालय में मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। मानव श्रृंखला में वरिष्ठ प्राध्यापक एस आर तिवारी,क्रीड़ा अधिकारी डॉक्टर वसीम उल्ला खान, एनसीसी अधिकारी महेश भाबोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी महेश चंद्र परमार का विशेष सहयोग रहा। मानव श्रृंखला में सहभागिता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने स्टाफ एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशंसा की।

सुबह शाम पड़ने लगी सर्दी, ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा असर

सिरोंज। धीरे-धीरे करके सर्दी अपना असर दिखने लगी है। ग्रामीण अंचलों में तो सुबह-शाम अछी सर्दी पड़ रही है। शहरी क्षेत्र में भी गुलाबी ठंड का असर देखने को मिल रहा है शाम 7 बजे के बाद सर्दी का असर होने लगता है। सुबह 9 बजे तक असर शहर में भी सर्दी का देखने को मिलने लगा है। धूप भी अच्छी लगने लगी है दिन भी जल्दी खत्म होने लगे हैं क्योंकि सर्दी के साथ ही दिन छोटे होते लगते हैं। आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड तस्तक दे सकती है। इस बार दिवाली कड़ाके की सर्दी के बीच पड़ेगी वहीं सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग भी प्रारंभ हो गया बाजार में भी ऊनी कपड़े की दुकानें सज गई है। जहां पर उनकी मांग भी बढ़ गई है । इस बार दामों में भी तेजी देखने को मिल रही है फ़िर भी लोग अपने बजट के हिसाब से खरीद रहे हैं।

अब सीधे सेमीफाइनल में लौटेंगे हार्दिक

नईदिल्ली, एजेंसी

हार्दिक पंड्या के इंजर्ड होने के बाद टीम इंडिया के लिए मोहम्मद शमी ने बेहतरीन परफॉर्म किया और उनकी कमी महसूस नहीं होने दी। हार्दिक के बाहर जाने से सूर्यकुमार यादव को भी मौका मिला, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 49 रन की अहम पारी खेली। इस पारी ने उन्हें भी टीम में अगले मुकाबले के लिए पक्का कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, हार्दिक लीग स्टेज के मुकाबलों में वापसी नहीं कर सकेंगे। अगर टीम सेमीफाइनल तक पहुंची तो पंड्या अब सीधे उसी मुकाबले में फिट होकर खेल सकेंगे। फॉर्म को देखते हुए टीम का इंडिया का सेमीफाइनल खेलना तय है, ऐसे में सवाल उठता है कि हार्दिक जब फिट होंगे तो उनकी जगह किसे बेंच पर बैठना पड़ेगा।

श्रेयस अय्यर ने बड़ी पारी तो नहीं खेली, लेकिन ये प्लान का हिस्सा

2 महीने पहले तक श्रेयस अय्यर का वर्ल्ड कप में खेलना भी मुश्किल था, क्योंकि वह इंजर्ड थे। लेकिन उन्होंने समय पर रिकवरी की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सेंचुरी लगा दी। वह वर्ल्ड कप के पहले मैच खाता भी नहीं खोल सके, लेकिन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाफ 25 और 53 रन की अहम पारियां खेलीं। दोनों ही बार वह नॉटआउट रहे और टीम को जीत के पार पहुंचाया। श्रेयस फिर बांग्लादेश के खिलाफ 19 और न्यूजीलैंड के खिलाफ 33 ही रन बना सके। दोनों बार पिच बैटिंग के लिए अच्छी थी, श्रेयस ने स्टार्ट भी अच्छा किया लेकिन वह बड़ा स्कोर नहीं बना सके। अब इंग्लैंड के खिलाफ भी वह महज 4 रन बनाकर आउट हो गए और टीम दबाव में चली गई।

एक मैच में सूर्या फेल हुए थे फिर की वापसी

हार्दिक पंड्या 19 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में इंजर्ड हुए थे, इसके बाद वह न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सके। दोनों ही मुकाबलों में उनकी जगह सूर्यकुमार यादव को मौका मिला। न्यूजीलैंड के खिलाफनंबर-6 पर उतरे सूर्या महज 2 रन बनाकर रन आउट हो गए। यहां से अगर हार्दिक फिट होते तो सूर्यकुमार ही बाहर बैठते लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मुश्किल पिच पर सूर्या ने 49 रन की पारी खेल दी। इस मैच में वह दोनों टीमों में दूसरे टॉप रन स्कोरर हैं। उनसे ज्यादा रन रोहित शर्मा (87 रन) ही बना सके। सूर्या ने 31वें ओवर में आने के बाद 47वें ओवर तक बैटिंग की और टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। वह खराब शॉट खेलकर आउट हुए लेकिन बैटिंग पिच पर वह इस स्कोर को सेंचुरी में भी बदल सकते थे। ऐसे में अब उन्हें बाहर करना टीम मैनेजमेंट के लिए मुश्किल फैसला हो सकता है।

वनडे वर्ल्ड कप : अफगानिस्तान सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल

पाकिस्तान को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए आज बांग्लादेश से जीतना जरूरी

पुणे, एजेंसी

अफगानिस्तान की टीम ने वर्ल्ड कप में तीसरी जीत हासिल की। पुणे में टीम ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। इस वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका यानी 3 वर्ल्ड चैंपियन टीमों को मात दे चुकी है। भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। 6 में से 6 मुकाबले जीतकर भारत के 12 पॉइंट्स हैं। टीम इंडिया को अभी 3 मैच खेलने हैं। टेबल में दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका है। 6 में से 5 जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के 10 पॉइंट्स हैं। उसके अभी 3 मैच बाकी हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तीसरी और चौथी पोजिशन पर बरकरार हैं। दोनों टीमों ने 6-6 मुकाबले खेले हैं और 8-8 पॉइंट्स हासिल किए हैं।

पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल की उम्मीद अभी भी कायम...

वनडे वर्ल्ड कप के 31वें मैच में पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। लगातार चार मैच हार चुकी पाकिस्तान टीम को अगर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद कायम रखना है तो इस मुकाबले में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। पाकिस्तान की टीम फिलहाल 6 मैचों में 2 जीत और 4 हार के साथ 4 पॉइंट्स लेकर सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश की टीम 6 मैचों में सिर्फ 1 जीत और 5 हार के साथ 2 पॉइंट्स लेकर नौवें स्थान पर है। बांग्लादेश पहले ही सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुकी है। बांग्लादेश के पास वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 24 साल बाद हराने का मौका है। टीम को पहली और आखिरी बार जीत 1999 वर्ल्ड कप में मिली थी। उसके बाद एक मैच 2019 में खेला गया, तब पाक को जीत मिली थी।

5वें पर पहुंचा अफगानिस्तान; डी कॉक और जम्पा अब भी टॉप परफॉर्मर

अफगानिस्तान का बेहतरीन परफॉर्मेंस जारी है। टीम ने अब श्रीलंका को पुणे में 7 विकेट से हरा दिया। इस जीत से टीम पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गई। जबकि श्रीलंका छठे नंबर पर पहुंच गया। 6 जीत और 12 पॉइंट्स के साथ भारत पहले नंबर पर है, वहीं इंग्लैंड 2 पॉइंट्स के साथ आखिरी नंबर पर है। श्रीलंका और अफगानिस्तान मैच के बाद टूर्नामेंट के टॉप प्लेयर्स के आंकड़ों में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक अब भी टॉप रन स्कोरर हैं, उनके 6 मैचों में 431 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 6 मैचों में 16 विकेट हैं।

शुरुआती दो जीत के बाद लगातार चार मैच हारा पाकिस्तान

इस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही थी। टीम ने अपने पहले मैच में नीदरलैंड को 81 रन और दूसरे मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। लेकिन, टूर्नामेंट जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक होता चला गया। टीम को पिछले चारों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती छह मैचों में से दो में जीत मिली और चार में हार। टीम चार पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर पहुंच गई। दूसरी तरफ बांग्लादेश का हाल पाक से भी बुरा है। उसे तो शुरुआती छह मैचों में से केवल एक में जीत मिली और पांच में हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट में बांग्लादेश की टीम को इकलौती जीत पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली थी। टीम 2 अंक के साथ सिर्फ इंग्लैंड से ऊपर नौवें स्थान पर है। पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के वनडे रिकॉर्ड काफी खराब है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 38 वनडे खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 33 और बांग्लादेश ने केवल 5 मैच जीते। वर्ल्ड कप में दोनों टीमें अब तक 2 बार भिड़ीं, 1 में पाकिस्तान और 1 में बांग्लादेश को जीत मिली। पाकिस्तान की टीम आज का मैच जीत लेती है, तो उसकी वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ लगातार तीसरी जीत होगी। वहीं अगर बांग्लादेश को जीत मिलती है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ 5 साल बाद जीत मिलेगी। बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी बार जीत 2018 में हुए एशिया कप में मिली थी। उसके बाद दोनों टीमों के बीच दो मुकाबले खेले गए दोनों में पाक टीम को जीत मिली।

गोवा में हो रहा 37वें राष्ट्रीय खेल का आयोजन

मप्र ने 9 स्वर्ण, 22 रजत और 16 कांस्य सहित 47 पदक जीते, तालिका में पहुंचा 5वें स्थान पर

पंजी, एजेंसी

37वें राष्ट्रीय खेल गोवा अंतर्गत बेडमिंटन इन्डौर हॉल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स पीडल गोवा में मप्र की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अमी कमानी अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सेमीफायनल में तमिलनाडू की खिलाड़ी अनुपमा रामचनद्रन को 2-0 से परास्त कर फायनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच के 15 रेड महिला स्नूकर इवेन्ट में कर्नाटक की वर्षा संजीव को 2-0 से करारी शिकस्त देकर 1 स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं प्रसिटेन्ट आईओए आदरणीया पीटी उषा और वायस प्रसीडेन्ट एसएफआई कमलेश नानवटी द्वारा मेडल से सम्मानित किया गया। वही तैराकी खिलाड़ी अद्वैत पागे ने 1 कास्य पदक अर्शित किया। इसके अतिरिक्त श्यामला प्रसाद मुखर्शी यूनीवर्सिटी गोवा स्टेडियम में आयोशित ईपी टीम बायश इवेन्ट में मप्र के फेसिंग खिलाड़ियों अमित गुसाई, शंकर पाण्डे, मोहित और अंकित शर्मा और सर्विसेश खिलाड़ियों शेटली, सुनील, पंकश और भूपेन्द्र के बीच फायनल मुकाबले में परास्त होकर रशत पदक अर्शित किया।
गोवा के एथेलेटिक्स स्टेडियम बम्बोलिम पणशी में अयोशित एथेलेटिक्स खेल में मप्र के खिलाड़ी रितेश ओहर ने 1500 मी. रन में 3.40.93 का समय तय कर एक1 स्वर्ण पदक अर्शित किया। वहीं खिलाड़ी अर्शुन वास्कले ने 1500 मी. रन में 3.41.69 का समय पूर्व कर कांस्य पदक अर्शित किया। इसके अलावा केम्पल मल्टीपरपस इन्डोर स्टेडियम पणशी गोवा में म.प्र. टेबल टेनिस टीम की महिला खिलाड़ियों अनुशा कुटुम्बले, हिमानी चतुर्वेदी, बी. निवेदिता, खुशी शैन और पूर्वांशी कोटिया ने महिला टीम चैम्पियनशिप में 1 कांस्य पदक अर्शित की मप्र को गौरवान्वित किया।

इशिका को मिला रजत

मप्र की ईशिका शाह ने 6 रेड महिला स्नूकर ग्रुप के फायनल मुकाबले में कर्नाटक की खिलाड़ी विद्या पिल्लै से 3-1 से परास्त होकर रजत पदक से संतुष्ट होना पडा। वहीं पुरूष 6 रेड टीम स्नूकर में रितिक जैन और पीयूष कुषवाह ने युगल मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम को 3-0 से हराकर दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरूष बिलियर्ड्स में मप्र के केतन चावला ने बेहतर खेल प्रदर्षन कर कांस्य पदक अर्जित किया। इस प्रकार मप्र बिलियर्ड्स स्नूकर के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण एक रजत और एक कांस्य पदक सहित 4 पदक अर्जित कर प्रदेष को गौरवान्वित किया। मप्र की एवेटिक खिलाड़ी पलक शर्मा ने 3 मी. स्प्रिंग बोल्ड डायविंग में खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर एक स्वर्ण पदक अर्शित किया।

मेट्रो बाजार

अडाणी ग्रुप का रेवेन्यू 40.2 फीसदी बढ़कर 2,220 करोड़ रुपए रहा

मुंबई, एजेंसी

अडाणी ग्रुप की अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 149 फीसदी बढ़कर 371 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 149 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। ऑपरेशंस से में कंपनी का रेवेन्यू 40.2 फीसदी बढ़कर 2,220 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 1,584 करोड़ रुपए रहा था। अडाणी ग्रीन एनर्जी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 96.2 फीसदी बढ़कर 1,699 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 866 करोड़ रुपए रहा था। ग्रीन एनर्जी का मार्जिन सितंबर तिमाही में 76.5 फीसदी रहा, पिछले साल की समान तिमाही में यह 55 फीसदी था। रिजल्ट के बाद कंपनी का शेयर आज करीब 5त्न की तेजी के साथ 913.80 रुपए पर बंद हुआ।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुनवाई तक टली

सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग केस में होने वाली सुनवाई को एक बार फिर टाल दिया है। अब इस मामले में सुनवाई 24 नवंबर को होगी। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी स्श्वक्चढ्ढ आज मामले में फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट पेश करने वाली थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 20 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई को 30 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया था।

3600 रुपए बढ़कर सोना पहुंचा 61 हजार के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 511 रुपए बढ़कर 61,336 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 46,002 रुपए हो गई है। वहीं चांदी भी 827 रुपए चढ़कर 71,733 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 70,906 रुपए पर थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में इनकी कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है। अक्टूबर महीने में अब तक सोना-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। इस महीने अब तक सोने के दाम में 3,617 रुपए की तेजी देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 अक्टूबर को ये 57,719 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 60,888 रुपए पर है। वहीं चांदी 71,603 रुपए प्रति किलोग्राम से 71,733 रुपए पर पहुंच गई है। घरेलू बाजार में दिवाली तक सोने की जोरदार मांग रहेगी। फिर शादियों के सीजन में खूब सोना खरीदा जाएगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अनुपम बोले- हमें सतीश की कमी साफ महसूस होती है

अनुपम खेर अभी भी अपने दोस्त सतीश कौशिक की बात करते हुए भावुक हो जाते हैं। अनुपम खेर ने कहा कि उन्हें सतीश कौशिक के बारे में बात करना पसंद नहीं है। वो जब भी उनकी बातें करते हैं, अपने आंसुओं को रोक नहीं पाते हैं। अनुपम खेर के मुताबिक, वो और अनिल कपूर जब भी मिलते हैं, कोशिश करते हैं कि वहां सतीश के नाम की चर्चा न हो। इससे दोनों अपसेट हो जाते हैं। अनुपम खेर ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बात करते हुए कहा- मैं अभी भी सतीश कौशिक की मौत से उबर नहीं पाया हूं। उनकी मौत ने मुझे सदमे में डाल दिया है। मेरे पिता के निधन के बाद मुझे गहरा धक्का लगा था। यश चोपड़ा के जाने के बाद भी मैं गहरे सदमे में था। मेरे सेक्रेटरी की मौत के बाद भी हिल गया था। हालांकि सतीश के निधन ने मुझे सच में अकेला कर दिया। यह एक ऐसा लॉस है, जिसकी भरपाई करना असंभव है। अनुपम ने आगे कहा- जब भी मैं और अनिल कपूर साथ होते हैं, हम सतीश की बात करने से बचते हैं। हमें उनकी कमी साफ महसूस होती है। हमें पता होता है कि अगर हमने उनके बारे में बातें की तो सामने वाला व्यक्ति परेशान हो जाएगा। हालांकि हम भले ही उनकी चर्चा नहीं करते लेकिन, हमारे दिमाग में उनका ही ख्याल चलता रहता है।

45 साल लंबा था अनुपम-सतीश का याराना

अनुपम खेर और सतीश कौशिक का याराना 45 साल पुराना था। दोनों ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साथ पढ़ाई की थी। दोनों का साथ में उठना बैठना था। खाना भी दोनों साथ ही खाते थे। सतीश अनुपम से पहले ही मुंबई आ गए थे। सतीश के निधन पर अनुपम ने कहा था- हम दोनों एक-दूसरे से जलते भी थे और झगड़ते भी, लेकिन रोज सुबह 8 या साढ़े 8 बजे एक दूसरे को कॉल जरूर करते थे। अभिनेता और डायरेक्टर सतीश कौशिक का इसी साल 9 मार्च रात को दिल्ली में निधन हुआ था। वे 66 साल के थे। वे दिल्ली में होली के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई गई।

अर्जुन के करियर की टर्निंग पॉइंट हो सकती है 'द लेडी किलर' फिल्म

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की फिल्म 'द लेडी किलर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अजय बहल निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक छोटे शहर के प्लेबॉय और एक खतरनाक लड़की के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म के जरिए अर्जुन और भूमि पहली बार साथ काम कर रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत में अर्जुन एक महाराजा के रॉयल बंगले में किसी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। यहां उनकी मुलाकात भूमि से होती है, जिससे बाद में वो प्यार करने लगते हैं। कहानी में मोड तब आता है जब भूमि एक खतरनाक महिला के तौर पर सामने आती हैं। ट्रेलर में एक मर्डर का भी जिक्र किया गया है। थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर इस फिल्म के ट्रेलर में रोमांस का भी तड़का लगाया गया है। यूजर्स को ये ट्रेलर काफी पसंद आया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स की मानें तो यह फिल्म अर्जुन के करियर में टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकती हैं। अर्जुन और भूमि दोनों की ही पिछली कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हैं। ऐसे में दोनों को ही इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। अजय बहल निर्देशित यह फिल्म 3 नवंबर को थिएटर्स मे रिलीज होगी। अजय इससे पहले 'बीए पास', 'सेक्शन 375' और 'ब्लर' जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं।

रणवीर ने अपनी और दीपिका की लव स्टोरी सुनाई...

रणवीर सिंह हाल ही में वाइफ दीपिका पादुकोण के साथ 'कॉफी विद करण 8' के पहले एपिसोड में नजर आए। इसके बाद से ही दोनों को लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अब रणवीर का एक पुराना वीडियो क्लिप वायरल है। यह वीडियो तब का है जब रणवीर अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड अनुष्का शर्मा के साथ कॉफी विद करण में पहुंचे थे। दरअसल, करण से बात करते हुए रणवीर ने उन्हें अपनी और दीपिका की लव स्टोरी सुनाई। रणवीर ने बताया कि दीपिका से उनकी पहली मुलाकात कैसे और कहां हुई थी। रणवीर की यह कहानी उनके उस वीडियो से मैच कर रही है जो उन्होंने कॉफी विद करण के पुराने एपिसोड में सुनाई थी। फर्क सिर्फ इतना है कि तब यही कहानी उन्होंने अनुष्का से पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए सुनाई थी। रणवीर साल 2011 में अनुष्का शर्मा के साथ इस चैट शो पर पहुंचे थे, तब उन्होंने इसी तरह अनुष्का की तारीफों के पुल बांधे थे। रणवीर ने कहा था, 'मैंने 'रब ने बना दी जोड़ी' देखी और अनुष्का से पूरी तरह इनका दीवाना हो गया। इसके बाद मैं डिनर के लिए बाहर गया और मैं सिर्फ अनुष्का के बारे में ही बात किए जा रहा था... तभी दरवाजा खुला.. एक हवा का झोंका आया और मेरे सामने अनुष्का शर्मा खड़ी हुई थीं।'

मानव तस्करी मामला: दिल्ली के अन्य डॉक्टर को पूछताछ के लिए भोपाल लेकर आई पुलिस

अर्चना और सीमा का आमना-सामना, अकीरो को दिया था 'डाक्टर' ने जन्म

- कोरोना की पहली लहर में हुई थी लिव इन पार्टनर की मौत, अर्चना ने लिया था अकीरो को गोद
- अर्चना, सीमादेवी और निशांत के बैंक अकाउंट की डिटेल भी मंगवा रही है भोपाल पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोतवाली कर्फ्यू माता मंदिर के सामने दो सगी मासूम बहनों का अपहरण करने वाली अर्चना से पूछताछ के बाद केस की परत दर परत खुलते जा रही है। दिल्ली से फर्जी डॉक्टर सीमा देवी को पुलिस गिरफ्तार कर भोपाल लाई थी। सीमादेवी और अर्चना को पांच नवंबर तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस ने अर्चना और सीमा देवी का आमना सामना कराया। इस दौरान अकीरो के बारे में जानकारी मिली। अकीरो सीमादेवी और उसके लिव इन पार्टनर राजेश की बेटी थी। सीमादेवी के पहले वाले पति से 19 साल का बेटा और 17 साल की बेटी है। सीमा देवी लिव इन पार्टनर की मौत के बाद अकीरो को अपने घर नहीं ले जा सकती थी। लिहाजा अकीरो को अर्चना को दे दिया था। अर्चना ने अकीरो को अपनी बेटी की तरह रखती थी।

एंजिल को लाई थी घर: पुलिस की पूछताछ में एक बात यह भी सामने आई कि एंजिल भी अनवांटेड डिलवरी से जन्मी बच्ची थी। जिसे सीमादेवी ने रख लिया था। इसी एंजिल और अकीरों को पुलिस ने दिल्ली से बरामद किया था।

दिल्ली में हुई अर्चना की सीमा से दोस्ती

अर्चना दिल्ली में फीजियोथैरेपिष्ट का काम करती थी। वर्ष 2014 में वह सीमादेवी के अस्पताल में फीजियो थैरेपी कराने पहुंची थी। इस दौरान उसकी मुलाकात सीमादेवी से हो गई। सीमादेवी और दोनों में दोस्ती हुई और दोनों एक दूसरे को बहन की तरह मानने लगी। वर्ष 2019 में सीमा ने शक्ति फाउंडेशन नाम से एनजीओ रजिस्टर्ड कराया था और इसी एनजीओ के माध्यम से अर्चना और सीमादेवी मिलकर अनवांटेड डिलेवरी के बाद बच्चियों को निशंतान जनों को मुहैया कराने लगी थी।

दाई से शुरुआत कर अस्पताल खोल चुकी थी सीमादेवी

अस्पताल में दाई से शुरुआत करने वाली सीमादेवी ने खुदका अस्पताल खोल लिया था। यहां पर वह ऐसी युवतियों की डिलवेरी कराती थी, जो लिव इन रिलेशन में रहती थी। पुलिस सूत्रों की माने तो इस अस्पताल में डॉक्टर अशोक प्रतिदिन तीस मिनट का समय देते थे। इस दौरान वह केस संभालते थे और लिव इन रिलेशन में रहने वाली गर्भवती का प्रसव कराते थे। पुलिस पूछताछ के लिए अशोक को भोपाल लाई है।

एनसीसी के क्लर्क ने फांसी लगाकर दी जान

घुटनों में रहता था दर्द, इलाज के बाद भी नहीं लग रहा था आराम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ग्यारह सौ क्वार्टर में एनसीसी के क्लर्क ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी पर लटका देख परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचेड़थे। निजी अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज उनका पीएम कराया जाएगा। पुलिस का कहना है कि रात होने के कारण घटनास्थल सील कर दिया गया था। आज पुलिस की टीम उनके कमरे की तलाशी लेगी। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि वे घुटनों के दर्द से परेशान थे। एएसआई राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि गजेंद्र नेगी पिता रूपचंद नेगी (50) ए-1/215, ग्यारह सौ क्वार्टर में रहते थे और एनसीसी में क्लर्क थे। सोमवार दोपहर उन्होंने शासकीय क्वार्टर के ऊपर वाले कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उन्हें चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, रायसेन की युवती को भोपाल बुला की ज्यादती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोशल मीडिया पर दोस्ती होने के बाद एक युवती को युवक ने मिलने के लिए भोपाल बुलाया। यहां पर उसने शादी का झांसा देकर बलात्कार किया। युवक ने शादी करने से मना किया, तो युवती ने पुलिस से शिकायत कर दी। ऐशबाग थाना पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय युवती रायसेन जिले में रहती है। जनवरी के महीने में उसकी इंस्टाग्राम पर ललित लोधी से दोस्ती हो गई। कुछ दिन बाद ही ललित ने उसे भोपाल मिलने बुलाया। यहां अपने घर ले गया और युवती के साथ रेप किया। इसके बाद भी उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। वह हर बार शादी की बात को टाल रहा।

बरखेड़ा मार्केट में चौकीदार की लाश मिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा मार्केट में चौकीदार की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार प्रकाश सिंह तोमर की बरखेड़ा मार्केट में दुकान है। उन्होंने सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को सूचना दी थी कि सब्जी की दुकान के पास चौकीदार चरण (52) की लाश पड़ी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। प्रकाश सिंह तोमर और मार्केट के अन्य व्यापारियों ने बताया कि चौकीदार चरण लंबे समय से मार्केट में रह रहे थे और चौकीदारी करते थे। कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी। उन्हें कहा भी था कि इलाज करा लों। व्यापारी खर्च उठा लेंगे, लेकिन वह इलाज नहीं करा रहे थे। सोमवार को एकाएक उनकी मौत हो गई।

महिला मरीज के चंगुल से मुक्त होते ही गायब हुआ डॉक्टर, पुलिस ने गाड़ियां पार्किंग में खड़ी कराईं

महिला मरीज को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाला डॉक्टर फरार, घर और अस्पताल पर पुलिस की नजर

आरोपी की तलाश में उड़ीसा रवाना होगी टीम, दोनों मोबाइल स्विच ऑफ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गले का ऑपरेशन कराने छिंदवाड़ा से भोपाल आई युवती को 14 दिन बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाला हमीदिया अस्पताल का आरोपी डॉक्टर दीपक नायक राजधानी से फरार हो गया है। महिला थाना और क्राइम ब्रांच पुलिस की टीम आरोपी की सरगर्मी से खोजबीन कर रही है। पुलिस की अलग-अलग टीमें लालघाटी स्थित उसके घर और हमीदिया अस्पताल पर नजर रखे हुए है। आरोपी अपनी दो गाड़ियां छोड़कर फरार हुआ है। पुलिस ने दोनों गाड़ियां हमीदिया अस्पताल की पार्किंग में

खड़ी करवा ली हैं। सायबर पुलिस की मदद से उसके मोबाइल फोन की लोकेशन भी ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है कि चालाक आरोपी डॉक्टर ने अपने दोनों मोबाइल बंद कर रखे हैं।

चंगुल से ऐसे निकली युवती: महिला थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि बयान दर्ज कराने के बाद पीड़िता छिंदवाड़ा चली गई है। पीड़िता का कहना था कि जब आरोपी डॉक्टर अस्पताल चला गया था, तब वह चंगुल से मुक्त होकर भागी थी। लेकिन जब पुलिस ने उससे पूछा कि जब दीपक नायक बाहर से दरवाजे पर ताला डालकर जाता था तो वह बाहर कैसे निकली। इस पर पीड़िता कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई।

यह है मामला

छिंदवाड़ा निवासी 19 वर्षीय युवती तीन माह पूर्व गले का इलाज कराने हमीदिया अस्पताल आई थी। उसके गले में संक्रमण हो गया था। डॉक्टर ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर दीपक नायक ने युवती का परीक्षण किया था और वह ही इलाज कर रहे थे। पिछले दिनों आरोपी डॉक्टर ने टेस्ट रिपोर्ट दिखाने के बहाने युवती को पुनः भोपाल बुला लिया। भोपाल आते ही उसने 15 अक्टूबर को युवती को गेलवएक्ट सोसायटी लालघाटी स्थित अपने घर में बंधक बना लिया और शारीरिक शोषण करता रहा। उसने युवती को 14 दिन घर में बंधक बनाकर रखा। पीड़िता का कहना है कि डॉक्टर ड्यूटी जाते समय घर में बाहर से ताला डालकर जाता था।

मां के साथ घर में रह रहे युवक ने की आत्महत्या

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 9 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी बूढ़ी मां के साथ घर में अकेला रहता था। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि कुछ समय से उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

एएसआई दिलेराम ने बताया कि हिम्मत सिंह कुशवाह पिता नन्हूलाल कुशवाह (29) वार्ड नंबर-9, बैरसिया में रहता?था। वह सब्जी का व्यवसाय करता था। परिवार में उसकी मां और बहन है। बहन की शादी हो चुकी है और वह बूढ़ी मां के साथ रहता था। कल सुबह उसके पड़ोस में रहने वाले करण ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख शोर मचाया था। घटना के समय मां पड़ोस में गई हुई थी। शोर सुनकर वह घर लौटी इसके बाद हिम्मत को फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 9 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी बूढ़ी मां के साथ घर में अकेला रहता था। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि कुछ समय से उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एएसआई दिलेराम ने बताया कि हिम्मत सिंह कुशवाह पिता नन्हूलाल कुशवाह (29) वार्ड नंबर-9, बैरसिया में रहता था। वह सब्जी का व्यवसाय करता था। परिवार में उसकी मां और बहन है। बहन की शादी हो चुकी है और वह बूढ़ी मां के साथ रहता था। कल शाम उसके पड़ोस में रहने वाले करण ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख शोर मचाया था। घटना के समय मां पड़ोस में गई हुई थी। शोर सुनकर वह घर लौटी इसके बाद हिम्मत को फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

करीब एक सप्ताह पुरानी लाश होने से हो चुकी थी डिकंपोज

फांसी के फंदे पर लटकी मिली युवक की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित कजलीखेड़ा में कल शाम एक युवक की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। लाश करीब एक सप्ताह पुरानी होने के कारण बुरी तरह से सड़ चुकी थी। मोहल्ले के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्गड़कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक के परिजन की तलाश कर रही है। दरअसल, मृतक यहां अकेला रहता था और उसके परिजन के बारे में पड़ोसियों को भी जानकारी नहीं है।

एएसआई रूपेश नर्रे ने बताया कि राजेश ठाकुर (45) हनुमान मंदिर के पास कजलीखेड़ा में रहता था। वह दो कमरे के मकान में अकेला रहता था। करीब एक सप्ताह पहले उसे लोगों ने देखा था। इसके बाद से ही उसका पता नहीं था। पड़ोस में रहने वाले रमेश तिवारी ने कल शाम करीब पांच बजे पुलिस को बताया कि राजेश के मकान में असहनीय बदबू आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से दरवाजा तोड़ा तो अंदर राजेश ठाकुर का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस काफी मशक्कत के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और परिजन की तलाश शुरू कर दी।

मेट्रो एंकर दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह जाने के लिए टिकट खरीदा था

सड़क पर मिली 28 साल की युवती, संस्था की मदद से उत्तर प्रदेश में परिजन तक पहुंचाया

बेटी के मिलते ही पिता ने जताई खुशी, महिला हेल्प डेस्क को धन्यवाद कहा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा स्थित बरखेड़ा में बजरंग मार्केट के पास मिली युवती को महिला हेल्प डेस्क की टीम ने सकुशल उत्तर प्रदेश अपने परिजन तक पहुंचा दिया। दरअसल, डायल–100 को सूचना मिली थी कि बरखेड़ा के नजदीक बजरंग मार्केट में एक युवती बैठी हैं। उस दिन दशहरा था और भेल, साकेत नगर और अवधपुरी समेत कई अन्य स्थानों पर भीड़भाड़ थी। यातायात प्रबंधन के साथ–साथ जन सुरक्षा के लिए पूरे संभाग में चौकसी बरतते हुए कार्य किया जा रहा था। गोविंदपुरा थाने से एसआई गब्बर सिंह, महिला आरक्षक नीलम को मौके पर भेजा गया। युवती की मनोस्थिति सामान्य नजर नहीं आई। रात अत्याधिक होने के कारण पुलिस विभाग ने उसे गौरवी वन स्टाप सेंटर भेजा। इससे पहले उर्जा महिला हेल्प डेस्क हेड कांस्टेबल सोनिया पटेल को भी इस बात की सूचना मिल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पटेल ने अशासकीय संस्था लक्ष्मीनारायण आनंदम् क्लब के सचिव मोहन सोनी की भी मदद ली गई। युवती ने अपना परिचय राबिया पिता छंगूरी शाह उर्फ मोहम्मद शकील (28) बताया। उसने एक नंबर दिया जिसे लेकर मोहन सोनी ने अलीगड़ के भाजपा सांसद सतीश गौतम से भी सहायता मांगी। उन्होंने भोपाल में बरामद युवती के संबंध में जिले में पोस्ट वायरल की। इसके बाद सपा नेता अयाज शेरवानी ने मोहम्मद शकील के घर संदेश पहुंचाया। यहां बड़ी बहन मुस्कान का नंबर मिला जिस पर मोहन सोनी ने संपर्क किया।

राबिया सायकोसिस की शिकार

प्रधान आरक्षक सोनिया पटेल ने गोरवी संस्था में उसका मेडिकल चेकअप कराया। इसमें पता चला कि राबिया सायकोसिस की शिकार है। उसे चिकित्सीय सलाह के साथ सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से परामर्श लेने के बाद युवती को परिजनों के न आने तक संस्था में सुरक्षित रखने के संबंध में आदेश लिए। राबिया खातून के पिता अलीगड़ में मजदूरी करते हैं। उन्होंने भोपाल के गोविंदपुरा स्थित उर्जा महिला डेस्क में आकर बताया कि बेटी की गुमशुदगी पूर्व में वह दर्ज करा चुका हैं। फिर वह वापस आ गई थी, लेकिन, एक दिन फिर वह गायब हो गई। इस बार थाने में उसने कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई थी। उसको प्रधान आरक्षक सोनिया पटेल ने कानूनी सहायता प्रदान करते हुए सहयोग प्रदान किया। इस बात से परिवार संतुष्ट हुआ और पुलिस सहयोग के प्रति आभार जताया। राबिया खातून की इस कवायद के बीच प्रधान आरक्षक सोनिया पटेल से काफी नजदीकियां भी हो गई। उसने बताया कि वह दिल्ली में स्थित निजामुद्दीन दरगाह जाने के लिए टिकट लेकर ट्रेन में सवार हो गई थी। भूख लगने पर ट्रेन से उतरने के कारण वह छूट गई थी। जिसके बाद वह काफी घबरा गई और भोपाल शहर में यहां–वहां भटकने लग गई थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022